
प्रिया
द सुपर गर्ल
कॉमिक्स
CFS
जंक्शन
6 in 1 Series
1. प्रिया की शक्ति
2. प्रिया का दर्पण
3. प्रिया और खोई हुई लड़किया
4. प्रिया का मास्क
5. प्रिया और घूमती हवा
6. प्रिया और समूह
Special Collection Edition


प्रिया की शक्ति

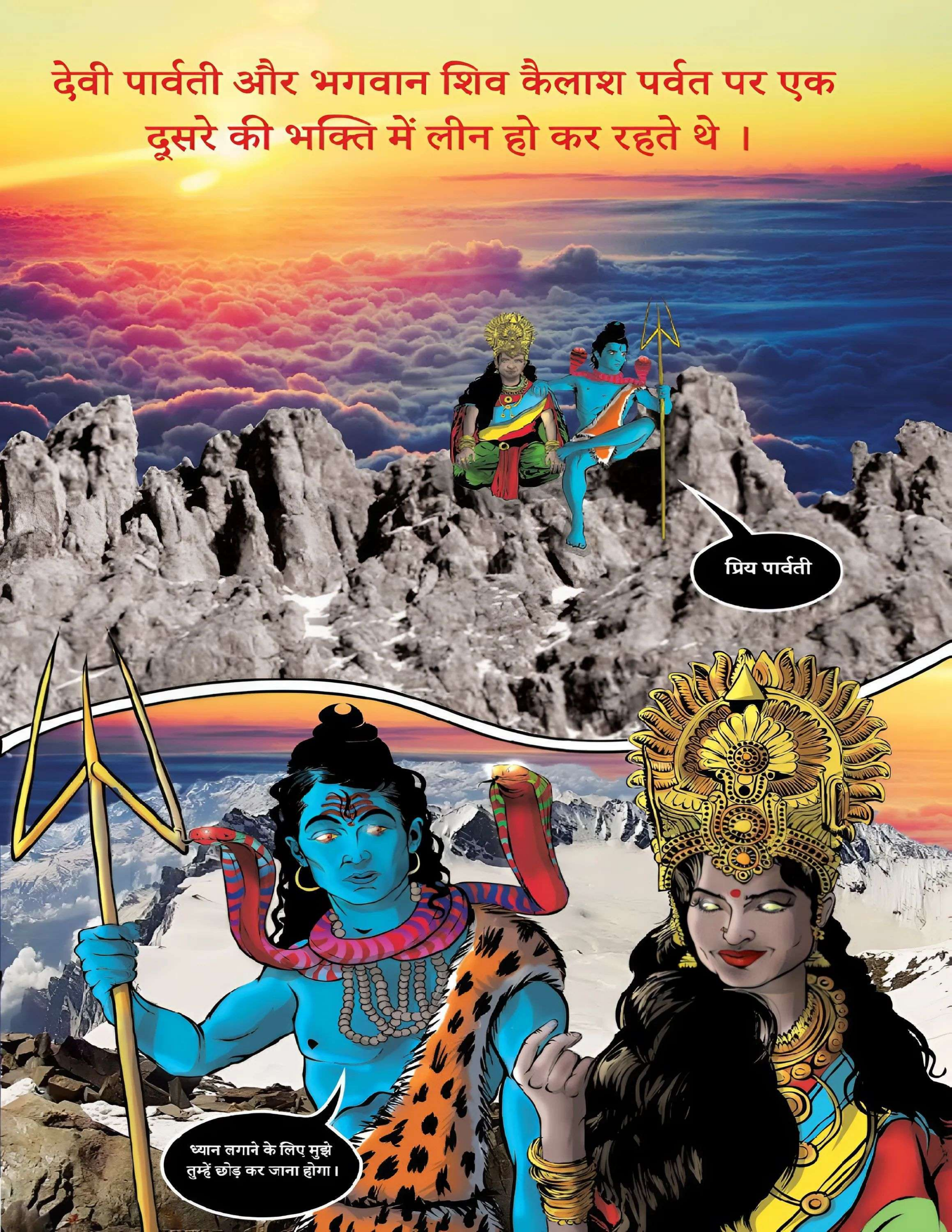
# प्रिया की शक्ति



कहानी
राम देवीनेनी
विकास के. मेनन

अनुवाद
प्रणव कुमार जैन

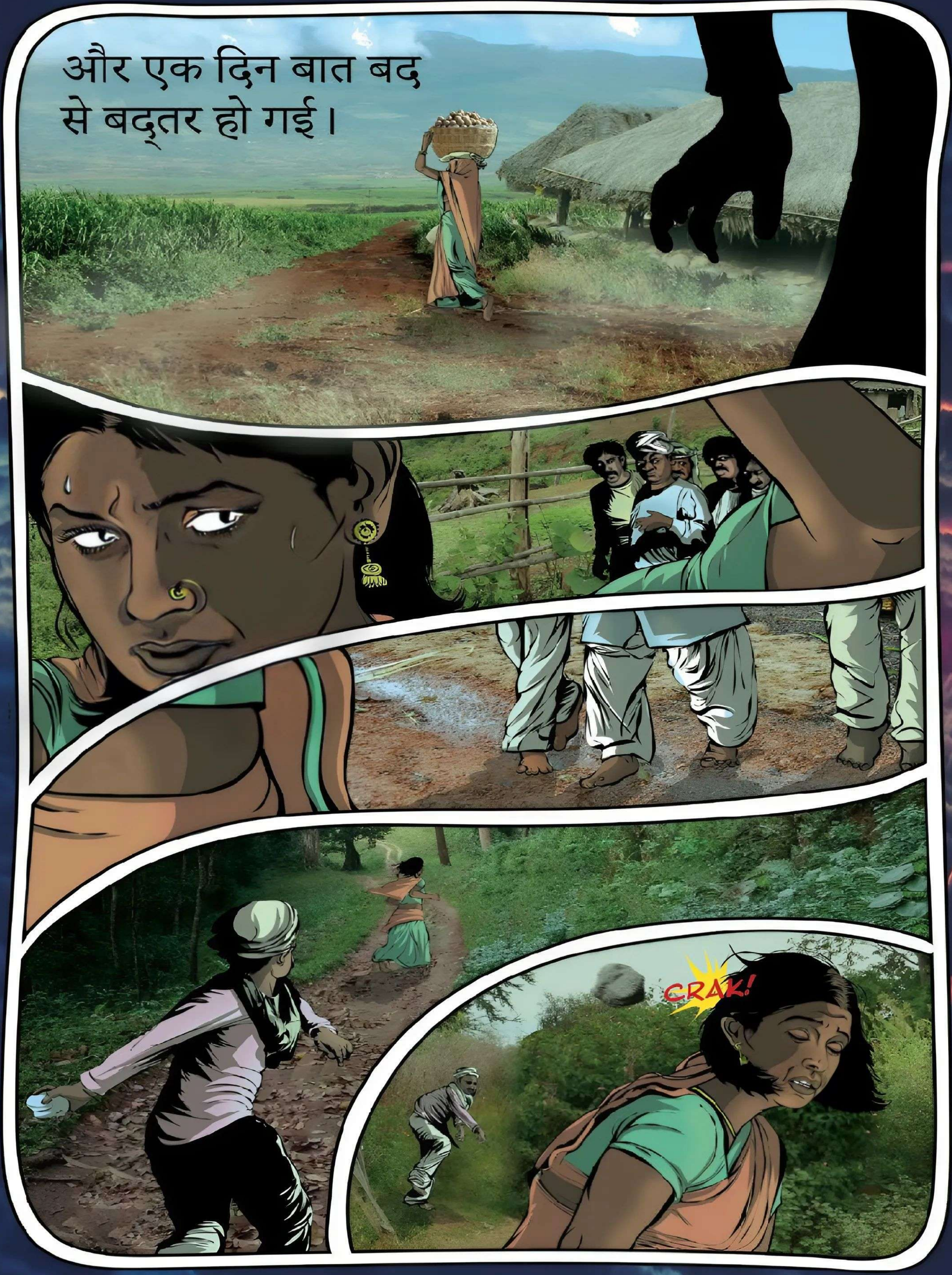
चित्रकार
डैन गोल्डमैन


देवी पार्वती और भगवान शिव कैलाश पर्वत पर एक दूसरे की भक्ति में लीन हो कर रहते थे ।
प्रिय पार्वती
ध्यान लगाने के लिए मुझे तुम्हें छोड़ कर जाना होगा।


अपना ध्यान रखें शिव । ब्रह्माण्ड का संतुलन बना रहे ।
एक रात पृथ्वी पर..
मेरे पास कोई चारा नहीं है।
माता पार्वती मेरी मदद करें ।
प्रिया नामक एक भक्त ने माता को पुकारा।
उसके पुराने और मौजूदा अनुभव पार्वती के मन से गुज़रे।


बचपन में प्रिया ब्रह्माण्ड में बहुत दिलचस्पी लेती थी।
अध्यापिका बनने के सपने को पूरा करने के बहुत मेहनत करती थी ।
स्कूल जाना बंद करो।
घर पर रहो और घर का काम करो ।
पर जब वह बड़ी हुई , उसके पिता जी की कुछ और ही मर्ज़ी थी ।
पार्वती निराश हो गईं।
मेरे भक्तों के साथ ऐसी ज़्यादती क्यों ?


आगे जो हुआ
पार्वती उसके लिए
तैयार नहीं थीं।
उसे देखो।
आसान शिकार लगती है।
हमें कोई नहीं रोकेगा।
जवान होने पर
नहीं।
प्रिया की ज़िन्दगी और
भी मुश्किल हो गई।


और एक दिन बात बद
से बद्तर हो गई।
CRAK!


जब वह गिर पड़ी...
उसने अपने हमलावरों में से एक को पहचाना।
नहीं, रुक जाओ!
मैं अपने परिवार से क्या कहूँगी ?

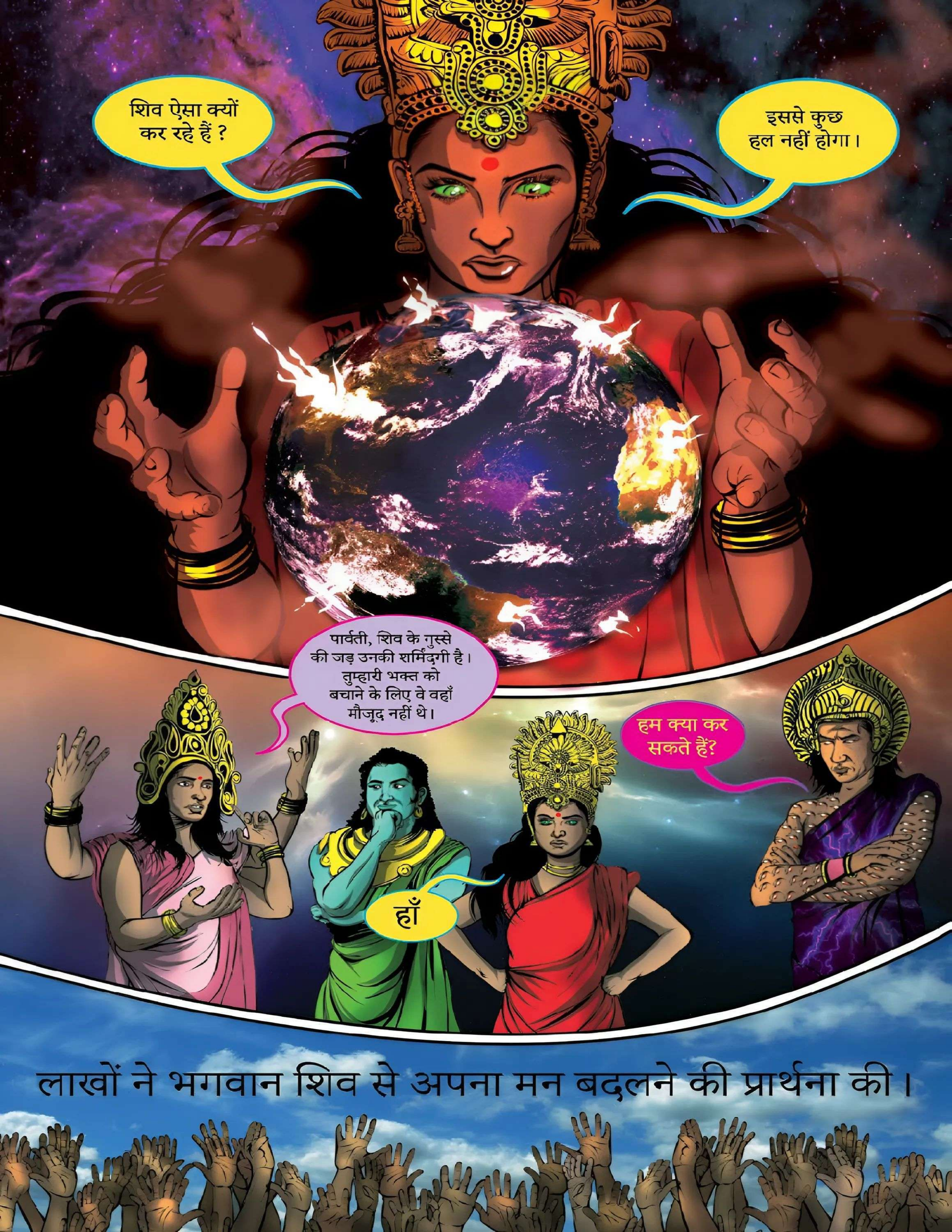

तुमने हमारे परिवार का नाम बदनाम किया है।
निकाल जाओ यहाँ से और कभी वापस मत आना।
पार्वती को विश्वास नहीं हुआ कि प्रिया के घरवालों ने उसका साथ छोड़ दिया।
मुझे उसकी मदद करनी ही होगी।
पार्वती रिया के मन और शरीर में प्रकट हो गईं।


न्याय पाने के लिए वह पंचायत गई।
तुम वहाँ अकेले क्या कर रहीं थीं ?
तुमने ज़रूर उन्हें उकसाया होगा।
अगर यह सच है तो तुम्हें उनमें से किसी एक से शादी करनी पड़ेगी।
जब बात नहीं बनी, तो वह अपने हमलावरों की तलाश में निकली।
तुम, हाँ तुम!
तुमने मेरे साथ ऐसा क्यों किया ?
मैं तुम्हें स्कूल के दिनों से जानती हूँ।
ग़लती तुम्हारी थी। तुम्हें वो ढ़ीले कपड़े नहीं पहनने चाहिए थे।
यहाँ आओ।
नहीं रुक जाओ।
पार्वती भूल गईं थीँ कि वे प्रिया के शरीर में थीं।
माता पार्वती का गुस्सा महसूस कर शिव जाग उठे।
एक ही पल में उन्हें सब मालूम हो गया।


पार्वती हमलावार के सामने प्रकट हुईं।
नहीं कृपा करो।
तुम्हें तुम्हारे जुर्म की सज़ा मिलेगी। मैं आदेश देती हूँ
नहीं! मैं शापित हूँ।
पार्वती का हाल देखकर, शिव का गुस्सा और भी बढ़ गया।
उन्होंने तुम्हारे साथ ऐसा क्यों किया ?
इंसानों को इसकी कीमत चुकानी होगी।


प्रभु शिव ने सभी
भगवानों की सभा बुलाई।
मेरी बात सुनें।
इंसान बहुत नीचे गिर
गए हैं और भगवानों
के लिए मात्र अपमान का
एक स्रोत बन कर रह गए हैं।
मैं आदेश देता
हूँ कि इंसान अब
बच्चे पैदा नहीं कर सकेंगे।

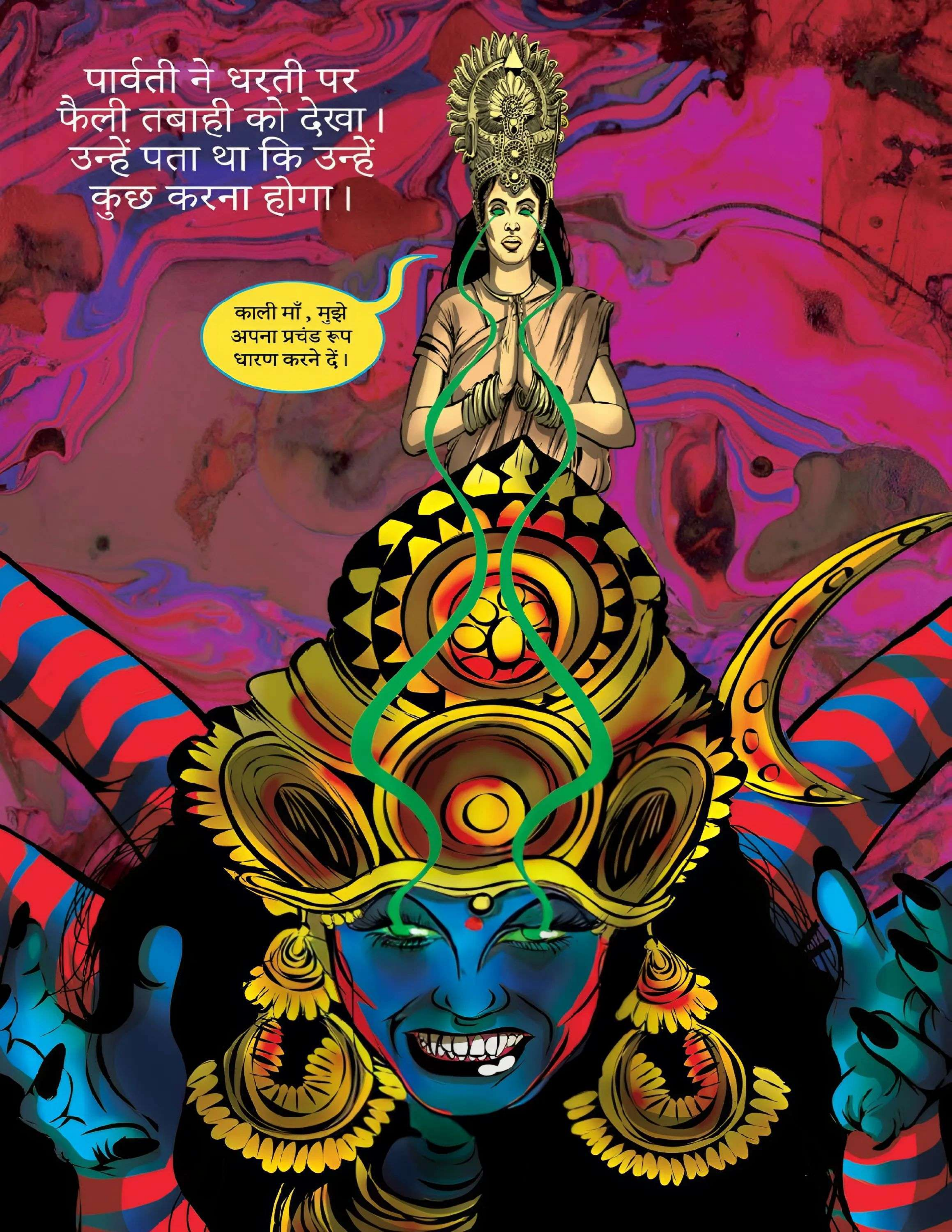

क्या आप जानते हैं कि इससे इंसानियत ख़त्म हो सकती है?
कुछ लोगों के गुनाह की सज़ा सबको क्यों?
और वह निर्दोष औरतों को भी सज़ा दे रहे हैं।
उन्हें एहसास नहीं कि बलात्कार का संबंध हिंसा और वर्चस्व से है।
ईंट का जवाब पत्थर से देने का कोई फायदा नहीं होगा।
हमें बचाओ।
एक भी बच्चा पैदा नहीं हो रहा।


शिव ऐसा क्यों कर रहे हैं ?
इससे कुछ हल नहीं होगा।
पार्वती, शिव के गुस्से की जड़ उनकी शर्मिंदगी है। तुम्हारी भक्त को बचाने के लिए वे वहाँ मौजूद नहीं थे।
हम क्या कर सकते हैं?
हाँ
लाखों ने भगवान शिव से अपना मन बदलने की प्रार्थना की।


पर वे चुप रहे।
मैं जानती हूँ कि आप गुस्से में हैं। मुझे भी गुस्सा आ रहा है।
इंसानों को यह दोबारा सीखना होगा कि भगवान आदमी और औरत में एक सामान मौजूद है।
लेकिन आपका आदेश औरतों को आदमियों के किए की सज़ा दे रहा है।
यह मेरा कर्त्तव्य है।
इस संसार को बुराई से मुक्त करना होगा।
पार्वती जानती थीं कि यदि एक बार शिव ने कोई ज़िद्द पकड़ ली तो उन्हें समझाना मुश्किल था।
मुझे कोई और रास्ता ढूँढना होगा।
https://ComicsJunction.Stck.Me


और वहाँ स्वर्ग में सभी भगवान आपस में बहस कर रहे थे ।
शिव ग़लत हैं और इंसान कभी हार नहीं मानेंगे ।
मैं इंसानों के साथ हूँ ।
शिव के आदेश से सारे संसार में युद्ध हो जाएगा।
इंसान आशाहीन हैं।
मैं शिव के साथ हूँ ।
भगवान शिव, हम इस पागलपन में आपका साथ नहीं देंगे।
और युद्ध की तैयारी भी


और सारे संसार में
एक महा युद्ध शुरू हो गया।

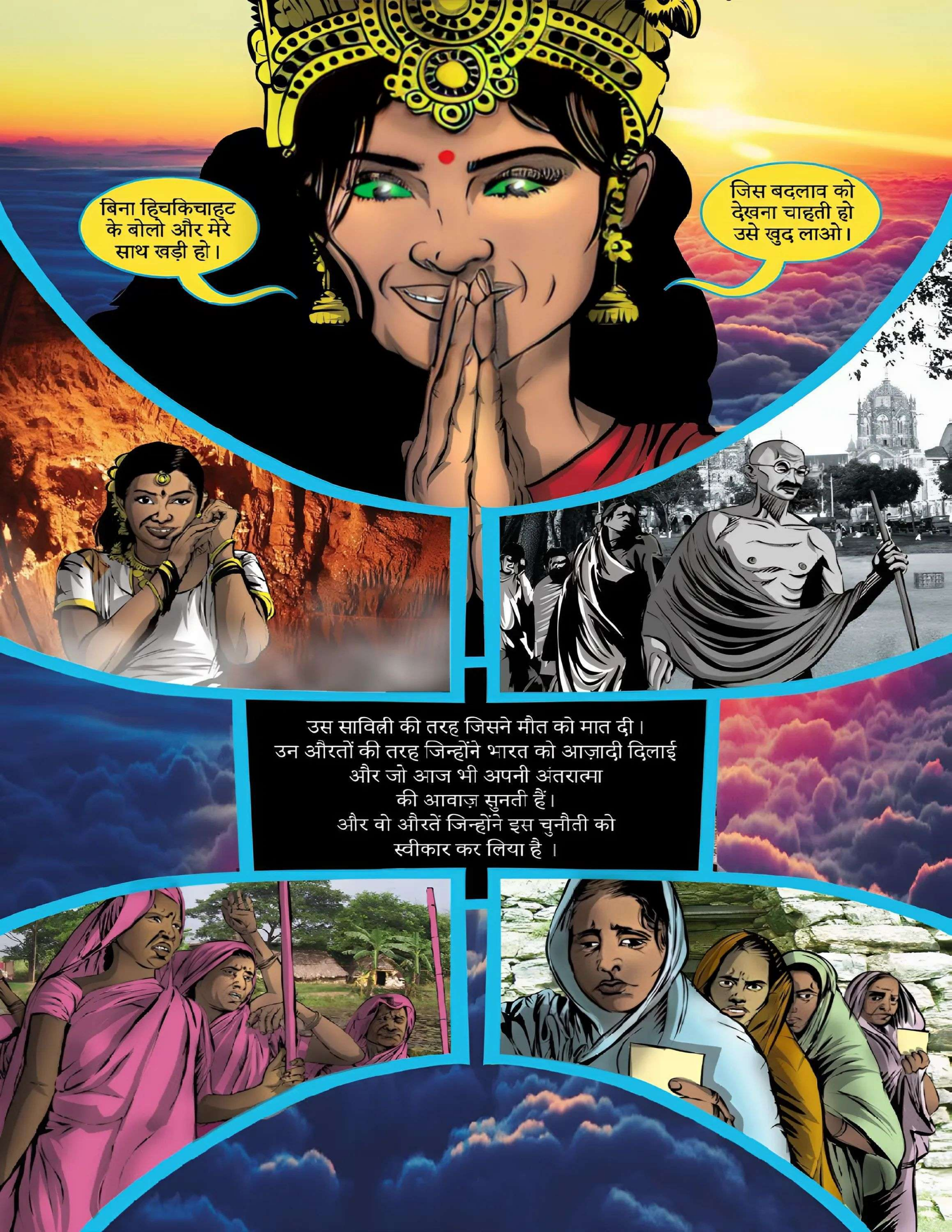

पार्वती ने धरती पर
फैली तबाही को देखा।
उन्हें पता था कि उन्हें
कुछ करना होगा।
काली माँ, मुझे
अपना प्रचंड रूप
धारण करने दें।


इस युद्ध को ख़त्म करना ही होगा
वरना हालात और भी बिगड़ जाएगी।
देवी की शक्ति से शिव स्तब्ध रह गए।
वे युद्ध ख़त्म करने के लिए राज़ी हो गए।


काली ने वापस पार्वती का रूप ले लिया।
इंसानों को जीने दीजिए।
मुझे अपने भक्तों पर विश्वास है।
पहले यह सिद्ध करो कि इंसान बदल सकते हैं।
तभी मैं अपना आदेश वापस लूँगा।



संसार शांत तो हो गया पर सभी ओर तबाही और दुविधा थी।
सब जगहों से निकाले जाने के बाद...
प्रिया अब जंगल में रह रही थी।
एक आगंतुक आया।
प्रिया
मैंने तुम्हें चुना है ।
तुम में लड़ने और अपने डर को जीतने का साहस है।
यह मंत्र ले लो


बिना हिचकिचाहट के बोलो और मेरे साथ खड़ी हो।
जिस बदलाव को देखना चाहती हो उसे खुद लाओ।
उस सावित्री की तरह जिसने मौत को मात दी।
उन औरतों की तरह जिन्होंने भारत को आज़ादी दिलाई
और जो आज भी अपनी अंतरात्मा
की आवाज़ सुनती हैं।
और वो औरतें जिन्होंने इस चुनौती को
स्वीकार कर लिया है ।


निडर , प्रिया ने वापस शेर की ओर देखा।
जितना मैं इससे डरती हूँ, यह शेर भी मुझसे उतना ही डरता है।
रिया ने शेर की आँखों में आकाशगंगायें देखीं।


तुम मेरी शक्ति हो।
बिना हिचकिचाहट के बोलो।
जिस गाँव ने उसे त्याग दिया था, प्रिया उसी गाँव लौटी।



पहले तो गाँव वाले उसे देख कर डर गए।
और मेरे साथ खड़े हो जाओ।
कृपया हमें सज़ा मत दो।
हम बर्बाद हो जाएंगे।
और बदलाव लाओ।
लेकिन प्रिया की बहादुरी ने उन्हें साहस दिया।
हम देखना चाहते हैं।
बिना किसी शर्म से कहो और मेरे साथ खड़े हो।
और जिस बदलाव को देखना चाहते हो उसे स्वयं लाओ ।


उम्मीद के साथ
उस बदलाव को लाया जा सकता है।
मैं दिव्य नहीं हूँ। तुमसे ज़्यादा तो कतई नहीं
बल्कि हम सब दिव्य का हिस्सा हैं।

# प्रिया का सन्देश जल्द ही फैला










अन्याय का खुलासा होने पर ही उसका अंत होगा।
TAKE ACTION
JUSTICE
JUSTICE
अपने सभी नागरिकों की सुरक्षा करने पर ही एक समाज सच्चे रूप में सुरक्षित होगा।
जब तुम्हारे बच्चे हों तो
याद रखना कि बेटा और बेटी दोनों ही मूल्यवान होते हैं।


प्रिया का परिवार भी उसके साथ जुड़ गया ।
गाँव गाँव जाकर
उन्होंने उसका सन्देश सब तक पहुँचाया ।
पार्वती, तुम सही थीं।
पर क्या और लोग प्रिया का साथ देंगे ?
प्रिया के साहस से एक बड़े आंदोलन की शुरुआत हुई।
आप प्रिया का साथ कैसे देंगे ?


लिंग आधारित हिंसा से
पीड़ित महिलायें अपनी
सच्ची कहानी बता रही हैं।
ऑगमेंटेड रिएलिटी ऐप का
प्रयोग कर इन बहादुर महिलाओं
की कहानियों को देखें।
सुरक्षा हेतु इनकी पहचान
को गुप्त रखा गया है।

# प्रिया का दर्पण


कहानी पारोमिता वोहरा एवम् राम देवीनेनी

चित्रकार डैन गोल्डमैन

अनुवाद शुभ्रा प्रकाश




film society lincoln center NYFF54

54TH NEW YORK FILM FESTIVAL OFFICIAL SELECTION 2016



# प्रिया का दर्पण

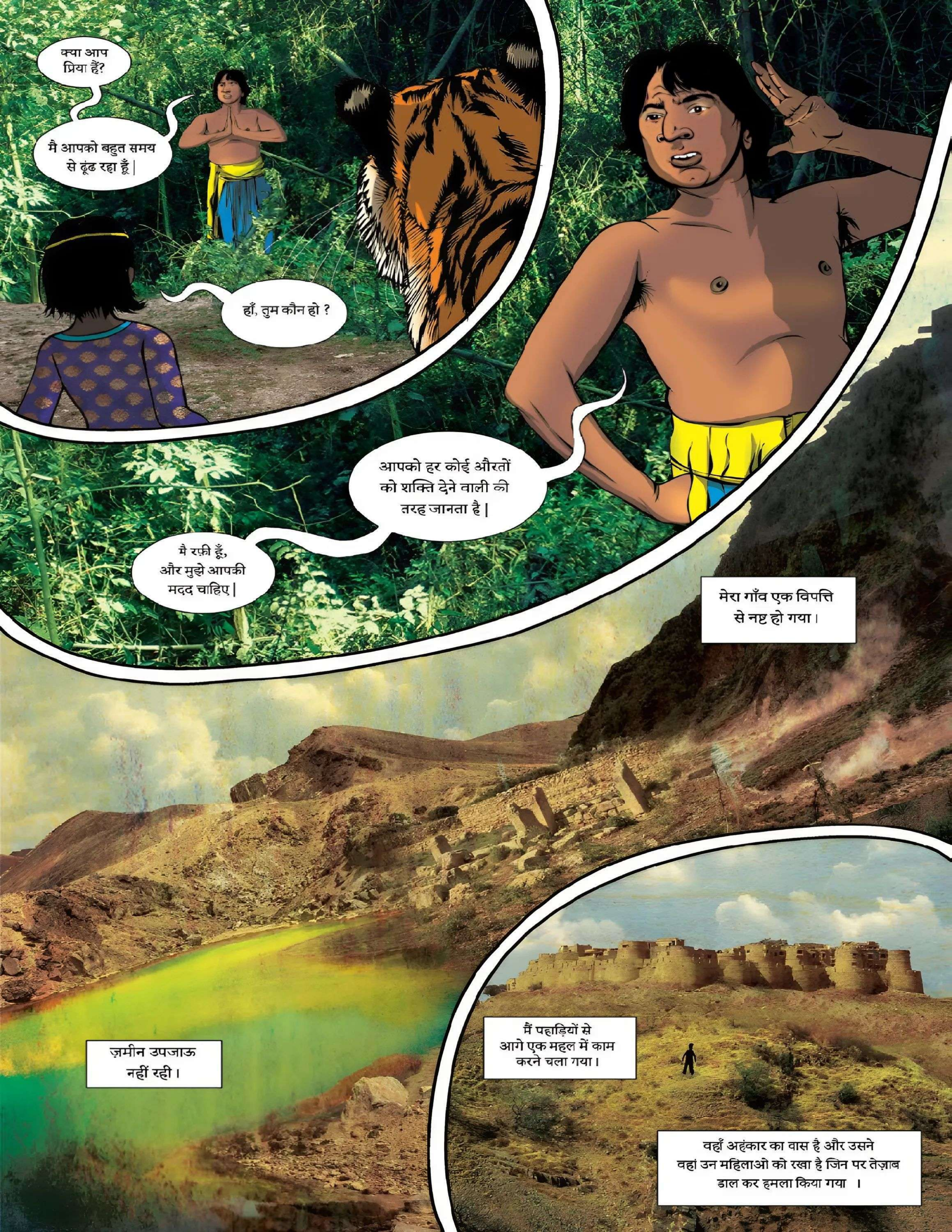
कहानी पारोमित्रा वोहरा एवम् राम देवीनेनी

चित्रकार डैन गोल्डमैन

अनुवाद शुभ्रा प्रकाश


वो देखो साहस,
कितनी सुन्दर जगह है।
क्या हम यहाँ रुके ?
यह जगह अजीब है ।
मेरा मन परेशान
हो रहा है।


एकाएक प्रिया को उस दिन के बुरे सपने घेरने लगे।
ख़ुद अपने पैरों पर खड़े होने के बाद - वह औरों की मदद् करना चाहती थी ।


क्या आप
प्रिया हैं?
मै आपको बहुत समय
से ढूंढ रहा हूँ |
हाँ, तुम कौन हो ?
आपको हर कोई औरतों
को शक्ति देने वाली की
तरह जानता है |
मै रफ़ी हूँ,
और मुझे आपकी
मदद चाहिए |
मेरा गाँव एक विपत्ति
से नष्ट हो गया।
ज़मीन उपजाऊ
नहीं रही।
मैं पहाड़ियों से
आगे एक महल में काम
करने चला गया।
वहाँ अहंकार का वास है और उसने
वहां उन महिलाओ को रखा है जिन पर तेज़ाब
डाल कर हमला किया गया ।


एक रात मै महल में टहल रहा था, मैंने बहुत ही ख़ूबसूरत नज़ारा देखा।
तो अहंकार अच्छा इंसान है जो पीड़ितों की मदद करता है
मैंने भी यही सोचा था।
चाँद मेरा दोस्त वापस आया है
उसका नाम अंजली था। वह गाना गा रही थी ।
मुझे देखते ही उसका चेहरा खिल उठा ।
उस हफ्ते हर रात उसी जगह मै उसका इंतज़ार करता था ।
उसकी आवाज़ बहुत सुरीली थी।
वह घर की याद दिलाती थी ।


एक रात हिम्मत जुटा कर मै उसके पास गया।
!!!!
डरिये मत।
मै रोज़ आपका गाना सुनता हूँ।
लेकिन तुम्हे मुझसे डर नहीं लगता ?
या फिर घृणा नहीं होती ?
घृणा ? डर ?
मै तो आपकी खूबसूरत आवाज़ में खो गया हूँ।
हमने बहुत देर बातें की।
हमने एक दुसरे को सब कुछ बता दिया और उसने, जो उसके साथ हुआ।



मै वकालत की पढ़ाई के आखरी साल में थी और उस दिन इम्तिहान थे।
मुझे पता था मैंने अच्छा ही किया होगा।
वह लड़का राज, मुझसे ज़बरदस्ती करता था।
लेकिन मैंने उसे कई बार मना किया।
आँखों, नाक, कानो, गले, होटों और हाथों पर।
इन वर्षों में मुझे कई ऑपरेशन्स करवाने पड़े,
उस दिन हिम्मत कर के मैंने उसे सबक सिखाने की सोची। लेकिन ...



एक महीने बाद मेरे इम्तिहान के परिणाम आये।
मै प्रथम आई, पर सब खत्म हो गया ।
मुझे नौकरी नहीं मिल पाई । लोग मुझसे डरते थे।
फिर अहंकार मेरे परिवार वालों से मिलने आया।
उसने कहा वह मेरी रक्षा करेगा। हमने सुना था, वह मेरे जैसी औरतों को एक शांतिपूर्वक घर में रखता है।
मुझे लगा, मेरे लिए इस दुनिया में कोई जगह नहीं है | तो मै उसके साथ चली आई |
हम दोनों को एक दुसरे से प्यार हो गया | मैंने उसका हाँथ माँगा |
उसने अहंकार से इजाज़त मांगने के लिए कहा |


तुमने उसपे नज़र डालने की हिम्मत कैसे की ?
एक मासूम लड़की को गुमराह करना चाहते हो ?
मै तुम जैसे लोगों को जानता हूँ |
मालिक ! मै उससे प्यार करता हूँ, उसकी इज़्ज़त करता हूँ,
मुझे कोठरी में बंद कर दिया गया |
मैंने भागने का रास्ता भी ढूंढ लिया,
लेकिन उसके पास जाने की सोचता रहा |


लेकिन वह भी निकल कर आ सकती है ना?
वह कोई जेल तो नहीं?
है, अंजली और दूसरी औरतों के लिए-
कोई और रास्ता नहीं है, सिवाय अहंकार के।
महल के आसपास एक खाई है जो अहंकार के मुंह से निकले तेज़ाब से भरी है।
वह दयावान के रूप में एक राक्षस है।


कोई तुमसे प्यार नहीं करेगा, याद रखना।
दुनिया निर्दयी है ! कमज़ोर तोगो को नष्ट कर देती है !
जो वो सब कहते हैं वो तुम्हे बेवकूफ बना रहे हैं, हमारी बहन अंजली की तरह।
तुम जैसों के लिए वहां कोई जगह नहीं।
तुम सिर्फ यहाँ सुरक्षित हो,
दुनिया से दूर, मेरी देखभाल में !
वह झूठ बोल रहा है।
क्या उसे लगता है की वह उनकी मदद कर रहा है ?
ओ माँ पार्वती - इन्हे सच दिखाएँ ।


मै इस राक्षस अहंकार को कैसे हराऊ ?
इसने इन औरतों को उनके डर में कैद कर रक्खा है।
अहंकार को सबक सिखाने से पहले तुम्हे उसके अतीत के बारे में पता करना होगा।
अहंकार वनने से पहले वह प्रेम नामका नौजवान था |
और एक कुसुम नाम की लड़की से प्यार करता था |



मै ...
आज ही बात खत्म करोगे,
या फिर कल वापस आऊं ?
मैंने ये तुम्हारे लिए लिखा है ।
अरे वाह! कल के महान कवि ने मेरे लिए कविता लिख डाली !
कुसुम,
कौन है ये बेकार ?
इसे रखो!
अगर मेरे भाइयों ने मुझे तुम्हारे साथ देख
लिया तो हम दोनों को मार डालेंगे।
डरो मत, मैं
तुम्हारी रक्षा करूंगा।


उसे पकड़ो !
मैं इसे नहीं जानती, भैया |
हमने कुछ गलत नहीं किया !
आ ह !
वो तेरे हाँथ में क्या है?
ओह, कविता !
तो तुम इसे जानती हो कुसुम, और ये तुम्हे।


कुसुम,
तुम्हे घर होना चाहिए !
न की ग़ैर लोगों के
साथ बात करना |
अब सीखेगा मेरी बहन
को छेड़ने का नतीजा !
रुको,
मै वो नहीं...
ACID
ACID


ये ले, इसे पी,
ये तुझे मर्द बनाएगा।
शिवजी,
इसे कृपया बचा लीजिये ।


शिवजी ने प्रेम को एक महत्वपूर्ण वरदान दिया --
-- जिससे वह तेज़ाब को सेहन कर सकता था।


कुसुम के प्यार की प्रार्थना से प्रेम बच गया |
तेज़ाब उसे नहीं मारेगा, परन्तु इसका प्रभाव नहीं मिट सकता |
उसे अपने कर्मों से ही मुक्ति मिलेगी |
या तो वह अपने वरदान से विजयी होगा,
या फिर अपने दुःख का शिकार |


लेकिन पार्वती
का डर सच हो गया
आह !
प्रेम एक राक्षस बन गया
- अहंकार ।


कुसुम मुझे माफ कर देना ।
तुम्हारी रक्षा करूँगा, ये वादा करता हूँ ।
अहंकार ने एक सुरक्षा महल बनाकर उसे सबसे छुपाए रक्खा |
वह अपने दोष की कैदी बन गयी।
उसने अपने मन की वात मन तक ही रहने दी
लेकिन औरों के साथ उसे चैन मिला।
जहाँ भी अहंकार जाता, फूल मुरझा जाते --
-- और जमीन वंजर हो जाती ।

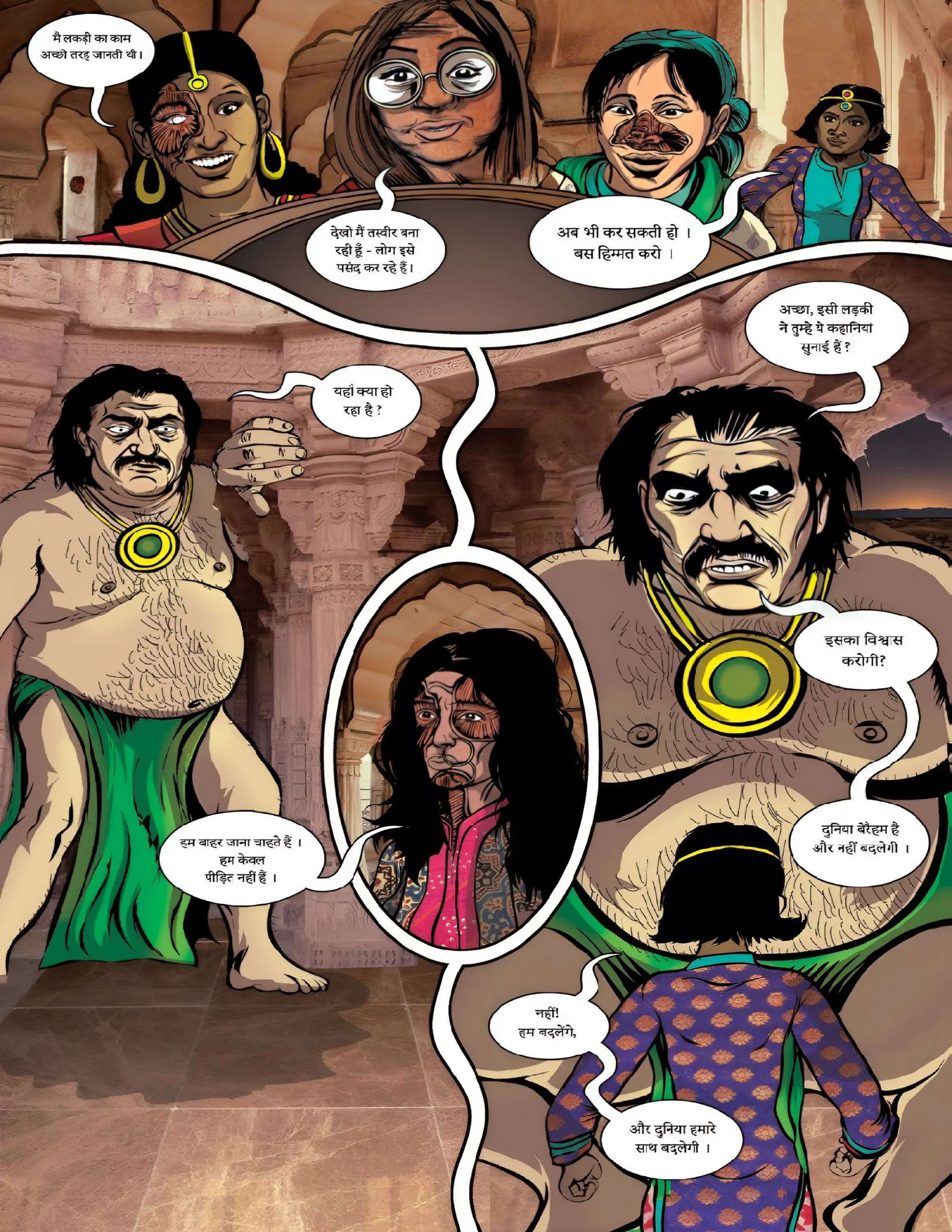

फिर मैं उसे कैसे रोकूंगी ?
इस प्रेम के दर्पण से औरों को उनकी शक्ति  दिखाओ |
अपनी यात्रा का ध्यान करो |
वह ही तुम्हारा हथियार है |
मै अपने अतीत की बंधी नहीं बनूंगी|
मै प्रिया के साथ हूँ
मै प्रिया के साथ हूँ
मै प्रिया के साथ हूँ
मै प्रिया के साथ हूँ


अंजली ।
डरना मत ।
मै प्रिया हूँ,
एक दोस्त।
मुझे रफ़ी ने
भेजा है ।
लेकिन रफ़ी बच निकला
और उसने मुझे तुम्हे ढूंढने के
लिए भेजा ।
तुमसे शादी की इजाज़त लेने
पर अहंकार ने रफ़ी को
कालकोठरी में बंद कर दिया।
ये सच नहीं।
सबकी तरह उसने
भी मुझे छोड़ दिया ।
रफ़ी झूठा है।
सिर्फ़ अहंकार को
मेरी परवाह है ।
फिर भी,
मैं अपनी बहनों
को नहीं छोड़ूंगी ।
तुम सब ये जगह
छोड़ सकती हो ।
तुम हमारी कहानियां
जानती भी हो ?


मै भूल नहीं सकती जो पुलिस ने मुझसे पूछा, "उस लड़के ने तुम पर तेज़ाब क्यों फेंका? तुमने ज़रूर कुछ किया होगा?"
जो दुनिया मेरी बात न सुने और ये सोचे कि मेरा ये हाल मेरी वजह से हुआ है, मुझे उसमे नहीं रहना ।
मै एक ऐसे आदमी के साथ थी, जो अपनी ताकत मुझे पीट कर दिखाता था ।
और जब वह काफी नहीं था...
जब उस लड़के ने मुझ पर तेज़ाब फेंका, मै रास्ते में पड़ी जल रही थी |
उन्होंने मुझ पर तीस बाल्टी पानी डाला फिर भी जब मेरे पिता ने मुझे उठाया तो उनकी क़मीज़ जलने लगी |
मेरे माता पिता का सारा पैसा मेरी देख रेख में खत्म हो गया |
हम सबके पास कोई न कोई कहानी है । कितनी सुनना चाहोगी?
दुनिया में हमारे लिए कुछ नहीं है । हम पे क्या बीती है, तुम नहीं समझोगी ।

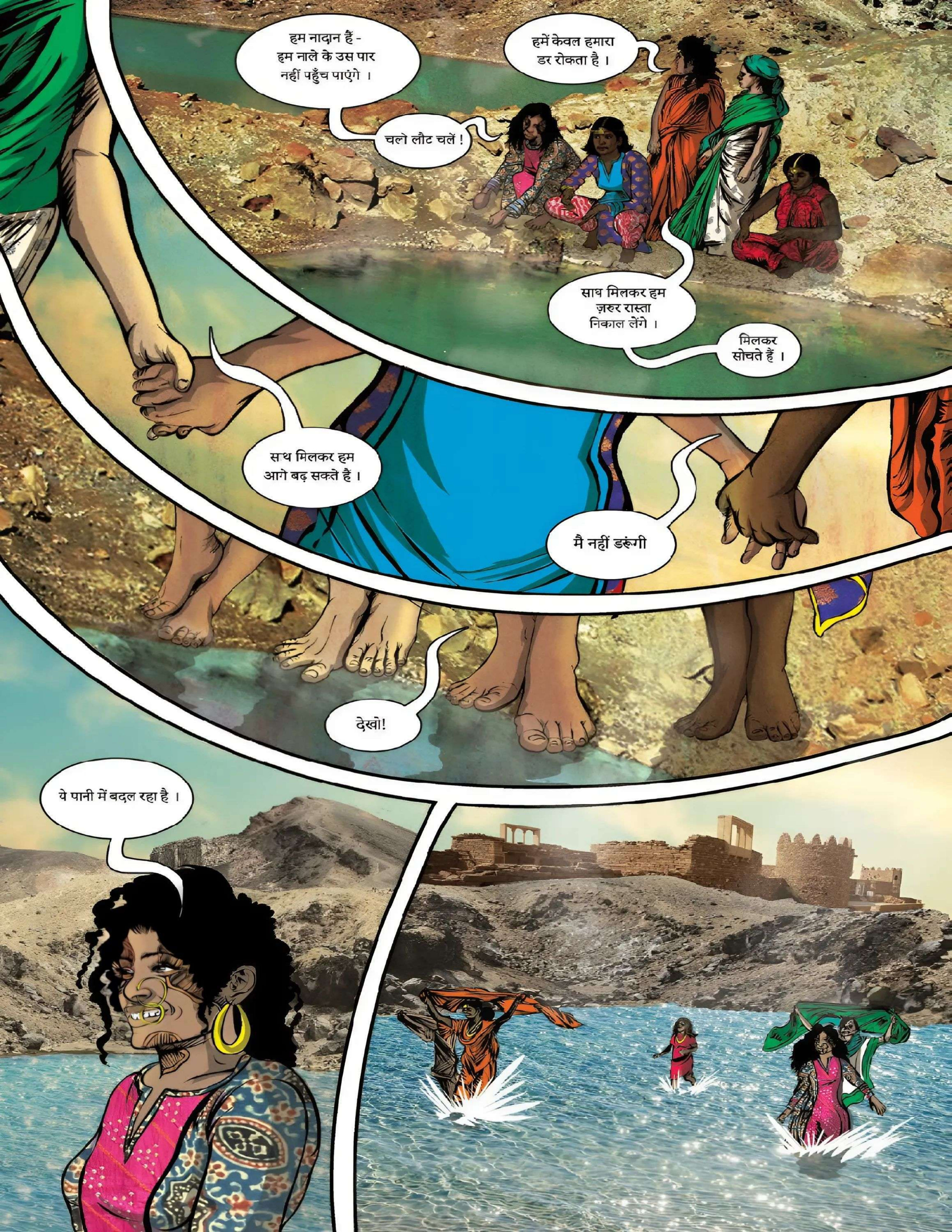

मै भी तुम्हारी तरह थी लेकिन मेरे घाव दीखते नहीं थे ।
मेरे बलात्कार के बाद मुझे समाज ने बाहर निकाल दिया ।
लेकिन मैंने अपने अंदर की शक्ति पे विश्वास किया । कठिन था ।
लेकिन मैं फिर आगे बढ़ने लगी ।
शायद । लेकिन तुम अपने घाव दुनिया से छुपा सकती हो ।
हमारे पास कोई और चारा नहीं है।
हम अपने घाव क्यों छुपाएं ?
और हम अपने घाव के कारण क्यों छुपे बहनो !
किसी ने तुम्हे अपने चेहरे के घाव तक ही सिमित कर दिया है ।
लेकिन तुम इससे बढ़ कर हो।
इस दर्पण में देखो और तुम्हें दिखेगा ।


क्या तुम मुझ जैसी पीड़ित को दर्पण दिखाओगी ?
सिर्फ़ एक बार देख लीजिए ।
देखती हूँ ।
वो मैं --
-- अपनी बहनों के लिए लड़ने वाले वकील


मै लकड़ी का काम अच्छी तरह जानती थी।
देखो मैं तस्वीर बना रही हूँ - लोग इसे पसंद कर रहे हैं।
अब भी कर सकती हो । बस हिम्मत करो ।
यहाँ क्या हो रहा है ?
अच्छा, इसी लड़की ने तुम्हे ये कहानियां सुनाई हैं ?
इसका विश्वास करोगी?
दुनिया बेरैहम है और नहीं बदलेगी ।
हम बाहर जाना चाहते हैं । हम केवल पीड़ित नहीं हैं ।
नहीं! हम बदलेंगे,
और दुनिया हमारे साथ बदलेगी ।


तुम्हे लगता है इन् कहानियों से तुम मेरे ज़हर को हरा पाओगी?


भागो बहनों |
यहाँ से
निकल जाओ!


हम नादान हैं -
हम नाले के उस पार
नहीं पहुँच पाएंगे ।
चलो लौट चलें !
हमें केवल हमारा
डर रोकता है ।
साथ मिलकर हम
ज़रुर रास्ता
निकाल लेंगे ।
मिलकर
सोचते हैं ।
साथ मिलकर हम
आगे बढ़ सकते है ।
मै नहीं डरूंगी
देखो!
ये पानी में बदल रहा है ।



आह!!!




अहंकार ने अपने आपको प्रेम के दर्पण में देखा
अह्ह्ह्ह्!
आह ! मेरी शक्ति चली गयी !
तुम जीत गईं ! अब खुश हो ? !


हमारी लड़ाई एक दूसरे से नहीं है, प्रेम ।
पहले मै क्या था? कमज़ोर !
और अब तुमने मुझे वापस कमज़ोर बना दिया !
दूसरों पर हक़, शक्ति नहीं ।
ये दर्पण रक्खो । अपनी सच्ची शक्ति ढूँढो।
दूसरों को वो अलग शक्ति दिखाओ ।
तुम हमारे साथ चलोगी बहन?
तुम्हारा नाम क्या है?
मेरा नाम कुसुम है ।
शायद मै कुछ देर रुक कर उसे प्रेम के दर्पण का उपयोग करना सिखाऊँ।


एक साल बीत गया...
प्यार का दर्पण : समुदाय कला केंद्र
...अंजली और लड़कियों ने कला केन्द्र और कैफे खोला।
प्रिया, तुम्हे पता है मै वकालत करने लगी हूँ और मैंने एक गुकदगा गी लड़ा है ।
अब तेज़ाब गैरकानूनी है ।
अपना कला केंद्र वहुत अच्छा चल रहा है । दुर दुर से लोग आते हैं ।
मुझे नहीं पता था मुझे कारोबार अच्छा लगेगा!


प्यार का दर्पण
काश मै रुक सकती
लेकिन कितना काम बाकी है --
-- और मुझे कुछ पूरब की ओर खींच रहा है -
प्रिया वापस आएगी , “ प्रिया और अन्त्यजा” के साथ
DAN GOLDMAN 2016


मै प्रिया के साथ हूँ


प्रिया और
खोई हुई
लड़कियाँ


देखो साहस! घर आ गया।
जैसे प्रिया और साहस गाँव से गुज़रते हैं, वे देखते हैं कि गाव में कोई लड़कियाँ नहीं हैं, केवल बड़ी उम्र की औरतें और मर्द हैं।
प्रिया अपने माता-पिता के चरण छू के उनके आशीर्वाद लेती हैं।
मैंने गाँव में किसी लड़कियों को नहीं देखा। लक्ष्मी कहाँ है?
तुम्हारी बहन काम करने गई थी, लेकिन जाने के बाद उसकी कोई ख़बर नहीं आई है।
हमें उसे कभी नहीं भेजना चाहिए था। क्या पता वो किस हाल में होंगी।
चुप रहो! बेवकूफ़ औरत।
पिता जी, माँ से ऐसे बात मत कीजिये। चिंता मत करो माँ। मैं उसे ढूंढ लाउंगी।


तुम्हारे पिता जी ने गाँव की अन्य लड़कियों के साथ लक्ष्मी को भी उत्तर की और राहु नाम के शहर भेज दिया। मैंने सुना है राहु बहुत बुरी जगह है।
बकवास! वह खाना पकाने और साफ सफाई का काम करने के लिए वहां गई है।
इसको अपने साथ ले जाओ। तुम्हारी दादीमा की ताकत और आशीर्वाद इसमें है।
प्रिया को अब भी वो रात याद है जब उसकी प्यारी दादी अपनी आखरी साँस ले रही थी, और उन्होंने प्रिया को अपने पूर्वजों द्वारा पारित की गई चमत्कारिक चूड़ी दी थी।
जब कभी अपनी रक्षा के लिए हमारे पूर्वजों की आवश्यकता हो तो इसका उपयोग करना।


कुछ गड़बड़ है, साहस। गाँव में कोई लड़किया नहीं दिखी और कोई कुछ बता नहीं रहा की क्या चल रहा है!
मुझे वह कंगन चाहिए!
नहीं, लक्ष्मी! दादी ने मुझे दिया था।
लक्ष्मी, अपनी बहन से क्यों लड़ रही हो।
प्रिया याद करती है की लक्ष्मी को दादी का कंगन कितना पसंद था।
नहीं! अब ये मेरा है।
उस रात प्रिया लक्ष्मी के बारे मे सोचती रहती है और चिंता करती है कि वह किसी मुश्किल में ना हो!


मुझे नहीं अच्छा लगता की तुम हमेशा जीत जाती हो।
देखना एक दिन तुम मुझसे भी अच्छा खेल पाओगी !
एक रात, लक्ष्मी को बहुत तेज़ बुखार चढ़ गया।
तुम पूरी रात मेरी देखभाल कर रही थी ?
मैं हमेशा तुम्हारा खयाल रखूंगी, लक्ष्मी।



तुमने कहा था की हमेशा मेरा खयाल रखोगी, लेकिन अब जब मुझे तुम्हारी ज़रूरत है तो कहाँ हो तुम?
यह तुम्हारी गलती है! मैं तुम्हारे पापों का मूल्य चुका रही हूँ।


लक्ष्मी ! वह मुसीबत में है, साहस ।
चलो ! राहु को ढूंढते हैं !
जैसे वे उत्तर की ओर बढ़ते हैं, सल्फर की बदबू से साँस लेना कठिन होने लगता है।
ओह साहस, कितनी गंदी बदबू है। तुम्हारी बेचारी नाक !
नीचे वे एक लड़की को पत्थर में बदलते हुए देखते हैं। वह आख़िरी सांसे ले रही है।
पानी...
मेहरबानी करके पानी दे दो !


ये तुम्हें क्या हो रहा है? कौन हो तुम ?
मैं अबिका हू। नुझे राहु से निकाल दिया गया क्योंकि मैं तीस सालकी हो चुकी थी। दूसरी औरतो की तरह मैं भी अब पत्थर की मूरत बन जाउगी।
अंबिका अंतिम सांसें ले रही है और उसके हाथ पांव पूरी तरह से पत्थर में परिवर्तित हो रहे हैं।
मैं अपने पैरों को महसूस नहीं कर पा रही। मैं मरना नहीं चाहती।
साहस के जादुई आंसुओ से धीरे-धीरे अंबिका के मृत शरीर में फिर से प्राण आने लगते हैं।
मेरी जान बचाने के लिए शुक्रिया।
मेरे जैसी कई लड़कियाँ हैं नीचे। उन्हें भी मदद की जरुरत हैं।


प्रिया और साहस राहु में  है, एक ऐसी जगह जहाँ ज्वालामुखी का साम्राज्य है।


आओ, तुम्हारा स्वागत हैं! राहु तुम्हारी सेवाओं के बदले में तुम्हें सुरक्षित रखेगा।
क्या सेवा? कौन हो तुम?
मैं इस शहर का राजा राहु हूं, जहां महिलाएं पुरुषों की सेवा करती हैं।
मैंने पहले कभी तुम्हारे बारे में नहीं सुना।
जब तुम्हारा बलात्कार हुआ तब मैं वहां मौजूद था। अगर तुम अपने आप को ख़ुशी से उन पुरुषों को समर्पित कर देती तो तुम्हें कोई नुकसान नहीं होता!
तुम्हारी बातें घृणास्पद हैं। जो भी किसी लड़की को नुकसान पंहुचाएगा उससे मैं लड़ूंगी।
AHHHHHHHHH
अगली बार तुम्हारा चेहरा जलेगा। अगर मेरे नियमों का पालन नहीं करोगी तो मैं तुम्हें जिंदा जला दूँगा।


AIIEEE!
राहु धुएं में बदल के अदृश्य हो जाता है।
अगर तुम उस घाव को छुओगी, तो तुम्हारा दूसरा हाथ भी जल जाएगा प्रिया !
तुम्हें मेरा नाम कैसे पता है?
मुझे और भी बहुत कुछ पता हैं!
इस जड़ीबूटी के पत्ते को लपेट लो, घाव ठीक हो जाएगा।
मणिधरी प्रिया के हाथों पर नीले रंग के पत्ते लगाने आगे बढ़ती है तभी अचानक अमृत वहाँ आ पहुँचती है।
इस अर्ध-नाग के बात मत सुनो। यह तुम्हारे हाथ पर नीला विष डालने वाली थी।
मणिधरी जलती हुई मशाल से डर कर दूर जंगल में पलायन हो जाती है।

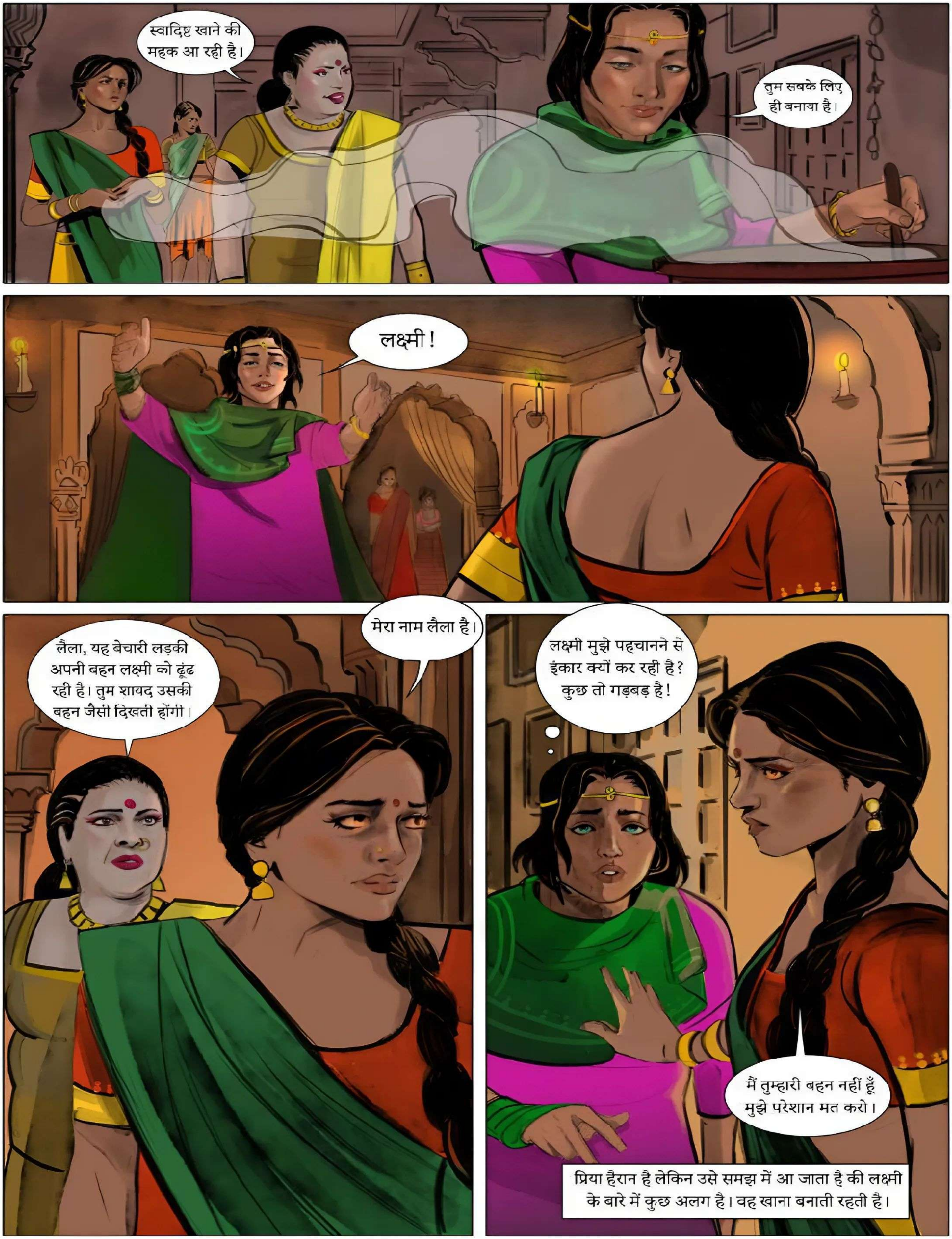

वह नागिन खाने की तलाश में थी। यहाँ अकेले रहना सुरक्षित नहीं है, आओ मेरे साथ ।
मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा, मैं सिर्फ अपनी बहन को ढूंढना चाहती हूं।
प्रिया अमृत के साथ जाने का फैसला करती है।
तुम उस शेर को साथ नहीं ला सकती। लड़कियाँ घबरा जाएगी।
लेकिन वह मेरा दोस्त है।
तो फिर अपने जंगली खिलौने के साथ यहीं रहो!
जैसे ही अमृत चलने लगती है, प्रिया एक योजना बनाती है।
जल्दी, साहस! वह देखे उससे पहले मेरे दिल मे कूद जाओ।.
जब साहस शारीरिक रूप में प्रिय के साथ ना भी हो तब भी प्रिया का शेर जैसा दिल हमेशा उसके भीतर ही रहता है।


प्रिया देखती है की सड़कों पर बहते ज्वालामुखी की नालियां है ...
... और सड़कों के आसपास छोटी दुकानें जहाँ ड्रग्स, तंबाकू, शराब और औरतों के लिए चीजें बिक रही है।
बोंग
बोंग
BONG
BONG
BONG
एक बड़े घंट की आवाज़ आती है जो 7 बार बजता है।
ये औरत अजीब है, लेकिन शायद वह मुझे लक्ष्मी को खोजने में मदद कर सकती है।
जब काम करने का समय होता है, तो घंट बजता है।
मैं अमृत हूँ। मैं राहु में लाई जाने वाली पहली लड़की थी। अब मैं नई लड़कियों को राहु के तरीके दिखाती हूं।


बाहर सड़कों पर और लावा ज्वालामुखी से निकल के बहने लगता है, एक नारंगी चमक पूरे शहर को रोशन करती है।
बहुत सारी लड़कियाँ बाहर आने लगती हैं। मर्द उन्हें देखते है, उन्हें जो लड़की पसंद आये उसे वह निजी कमरों में ले जाते हैं।
मेरी लड़कियाँ घंटे की आवाज़ का अनुसरप नहीं करती हैं। मेरी लड़कियाँ एक रात में ५ या ६ मर्दों की ही सेवा करती हैं, २० की नहीं।


तुम एक दलाल हो?
शी शी! हम राहु के उपासक हैं। हमारा काम हे पुरुषों की सेवा करना और उन्हें प्रसन्न रखना।
अब तुम आराम करो। और मुझे अभी काफी काम करना है।
प्रिया अपना दुपट्टा फाड़ कर उसे अपने घाव पे लपेटती है।
उस रात, प्रिया साहस को अपने दिल से बहार बुलाती है।
श्श्श्श! हमें पता लगाना चाहिए कि यहाँ क्या चल रहा है। पर कहाँ से शुरू करें?
साहस प्रिया को पर्दे की ओर खींच के ले जाता है।


पाँच दिन से तूने काम किया है। क्या तु चाहती है के तुझे राहु से बाहर फेंक कर पत्थर बना दिया जाये?
मैं अमृत के बारे में सही थी। साहस, हमें बहुत सावधान रहना होगा। मुझे सोचने दो के कैसे हम आगे बढ़ें।
एक तरीका है। माँ कहती थी, "नमक खिलाओ, निष्ठा प्राप्त करो!" सबको माँ की पुरी भाजी बड़ी स्वादिष्ट लगेगी। चलो रसोई-घर ढूंढते हैं।
साहस फिर से प्रिया के भीतर छिप जाता है, प्रिया रसोई-घर खोजती है और खाना बनाना शुरु कर देती है।



स्वादिष्ट खाने की महक आ रही है।
तुम सबके लिए ही बनाया है।
लक्ष्मी !
लैला, यह बेचारी लड़की अपनी बहन लक्ष्मी को ढूंढ रही है। तुम शायद उसकी बहन जैसी दिखती होंगी।
मेरा नाम लैला है।
लक्ष्मी मुझे पहचानने से इंकार क्यों कर रही है? कुछ तो गड़बड़ है!
मैं तुम्हारी बहन नहीं हूँ मुझे परेशान मत करो।
प्रिया हैरान है लेकिन उसे समझ में आ जाता है की लक्ष्मी के बारे में कुछ अलग है। वह खाना बनाती रहती है।


बाहर की दुनिया खतरनाक है। मेरे गांव में मेरे ही गांव के ४ पुरुषों ने मेरा बलात्कार किया था।
यहां आकर तुम्हें बहुत समझदारी का काम किया है। राहु तुम्हें सुरक्षित रखेगा।
सच्चाई तो ये ही है कि, हमें मर्दों को अपनी सुरक्षा करने देनी चाहिए। राहु हमारी रक्षा करता है।
वह तुम्हारी ही गलती थी! तंग कपड़ों में अकेले बाहर जाएगी, तो और क्या होगा?
लक्ष्मी अपनेआप को संभालने की कोशिश करती है, लेकिन प्रिया ने बनाए पूरी भाजी उसे बचपन की याद देती है। वह चुपके से अपने आँसू पोंछती है।
मैं तुम्हें घर ले जाने आइ हूँ।

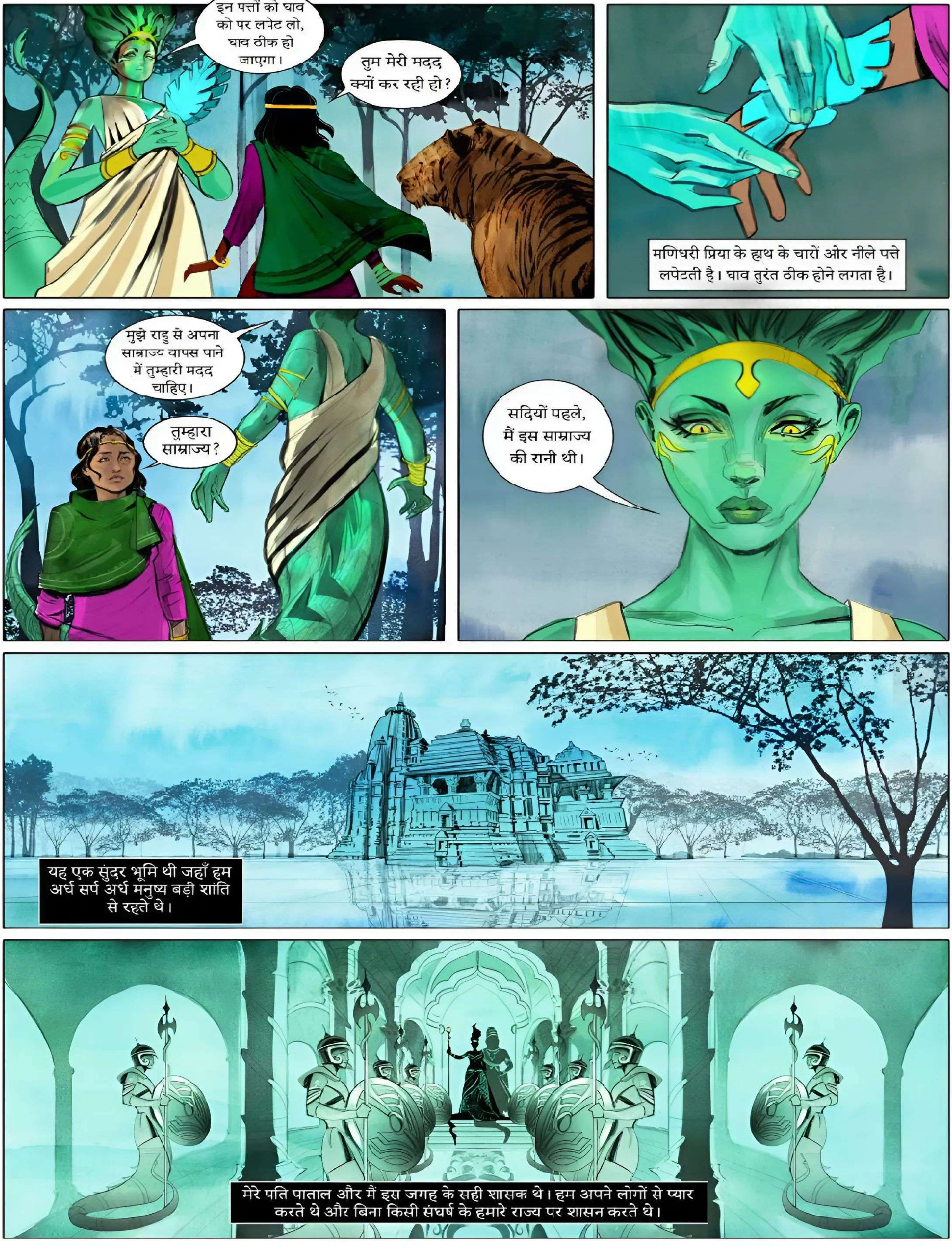

मुझे ठीक नहीं लग रहा है। मैं आराम करने जा रही हूं।
मुझे पता है कि वह लक्ष्मी है! लेकिन वह इस तरह से क्यों पेश आ रही है?
मुझे पता है कि वह लक्ष्मी है! लेकिन वह इस तरह से क्यों पेश आ रही है?
लक्ष्मी! इन लोगों ने क्या कर दिया है तुम्हें?
चली जाओ यहाँ से। क्यों आई हो यहाँ?
तुम्हें ढूंढने!
मैं तुम्हारी वजह से यहाँ हूँ।
मेरी वजह से?


ये बातें हम बाद में कर सकते हैं। कोई हमें देख ले इससे से पहले चलो भाग चलते है यहाँ से।
लक्ष्मी ! यह बहुत खराब जगह है।
मैं कहीं नहीं जा रही हूं।
मुझे पता है तुम्हारे साथ क्या हुआ था जब तुम पे अत्याचार होने के बाद तुम घर लौटी। यहां कोई भी मेरे बारे में बुरा नहीं सोचता।
वह मेरी बहन नहीं है। वह कहती रहती है, इसलिए मैं उसे बस यही बताने के लिए आई थी के ये मुझे और परेशान न करे।
लो देखो ! लैला, आखिर तुम इस सुंदर चिड़िया को जानती हो। बड़ी सुंदर मस्त बहन है तुम्हारी ?


तो तुमने लक्ष्मी को ढूंढ ही लिया! क्यों तुमने सोचा कि मुझे इतनी आसानी से मूर्ख बना दोगी?
तुमने उसका ये क्या हाल बना दिया है?
वह अपनी मर्ज़ी से यहाँ है। और अब तुम भी राहु की भी सेवा करोगी।
मैं ऐसा कभी नहीं करूंगी--
तुम बिलकुल करोगी जैसे ही ये पी लोगी।
अनृत एक छोटी शीशी खोलती है, जिसमें से नारगी धुआ निकलने लगते हैं। प्रिया खांसने लगती हे ओर उसका सर मंडराने लगता है।
तुम्हारी बहन भी पहले पहले बड़े तेवर दिखा रही थी --
-- लेकिन अब उसे देखो। मेरी सबसे ज़्यादा कमाने वाली लड़की।


साहस प्रिया के भीतर ठीक नहीं महसूस करता, वह दहाड़ने लगता है, और प्रिय को अंदर से धक्का देता है, जिससे प्रिया सीधे बैठ जाती है और अमृत ने पिलाया रस थूक देती है।
मैंने इसे खास तुम्हारे लिए बचा के रखा हैं। और सुनो... ज़रा आयम से। नई लड़की है।


साहस, चलो यहाँ से भाग निकलते है! हम लक्ष्मी के लिए वापस आएंगे!
प्रिया अभी भी अमृत ने पिलाये रस की वजह से अस्थिरता और कमज़ोरी महसूस कर रही है। वह साहस को कस के पकड़ लेती है और वह उसे भगा ले जाता है।
प्रिया और साहस अंधेरे घने जंगल में भाग जाते हैं।
लगता है कि उसने तुम्हें राहु का ज़हर पीला दिया है, और तुम्हारा घाव अभी तक ठीक नहीं हुआ है।
गणिधरी प्रिया के हाथ पर बंधी पट्टी और उसकी कमज़ोर हालत को देखती है।


इन पत्तों को घाव को पर लपेट लो, घाव ठीक हो जाएगा।
तुम मेरी मदद क्यों कर रही हो?
मणिधरी प्रिया के हाथ के चारों ओर नीले पत्ते लपेटती है। घाव तुरंत ठीक होने लगता है।
मुझे राहु से अपना साम्राज्य वापस पाने में तुम्हारी मदद चाहिए।
तुम्हारा साम्राज्य?
सदियों पहले, मैं इस साम्राज्य की रानी थी।
यह एक सुंदर भूमि थी जहाँ हम अर्ध सर्प अर्ध मनुष्य बड़ी शांति से रहते थे।
मेरे पति पाताल और मैं इस जगह के सही शासक थे। हम अपने लोगों से प्यार करते थे और बिना किसी संघर्ष के हमारे राज्य पर शासन करते थे।



एक दिन, राहु नाम का एक अजनबी हमारे दरबार में आया। पाताल मदद करने में संकोच कर रहा था, लेकिन मैंने ज़ोर दिया।
ऊपर की दुनिया जिसे धरती कहते है, वहाँ से मुझे निकाला गया है। मैं एक मासूम प्राणी हूं। आपका शरणार्थी हूँ, मेरी मदद करो!
वह मुसीबत में है। हमारा धर्म उसकी मदद करने के लिए कहता है।
पाताल, आप एक शक्तिशाली राजा हैं। मुझे समझ नहीं आता कि आप एक कमज़ोर महिला को अपना राज्य क्यों चलाने देते हो।
सम्राज्य सिर्फ एक मर्द का हो सकता है।
यह उसका साम्राज्य है।
राहु एक राक्षस था। उसके पास एक ऐसा शरबत था जो किसी को भी उसके काबू में कर सकता था और उन्हें राहु की कठपुतली बना सकता था।
अपनी स्त्री और अपने साम्राज्य पर नियंत्रण रखो पाताल।
राहुने पाताल के मन पर काबू कर लिया और पाताल को मेरी सभी नागिनीओं के खिलाफ कर दिया।


जल्द ही हमारे परिषद से नागिनी सलाहकारों को हटा दिया गया, और केवल नाग ही रह गए!
फिर उसने मुझे अपने कमरे नें बंद कर दिया और एक कनून पारित किया कि सभी नागिनी नागो की संपत्ति मानी जाएंगी।
और फिर उसने पाताल को अपने लावा से बेरहमी से मार डाला।


राहु ने सभी को धोखा दिया, उसने मेरे परिषद सदस्यों और महल पर अपना ज्वालामुखी का ज़हरीला लावा उगल दिया, और मेरे राज्य का ये हाल कर दिया।


मुझे अपनी जान बचने के लिए भागना पड़ा। प्रिय सिर्फ तुम ही है जो राहु को हरा सकती हो।
पर मैं उसके करीब आते ही जल के भस्म हो जाऊंगी।
राहु लालच, ईर्ष्या और वासना जैसी भावनाओं से ताकत प्राप्त करता है। वह साहस, दया और प्रेम की पवित्र ताकत से ही पराजित हो सकता है।
लेकिन कैसे?
वह अपनी ताकत के ज़हर को ज्वालामुखी के केंद्र मे रखता है। तुम्हें अपने दिव्य रक्त से उस ज़हर को मसूख करना होगा। तुम्हें अपना बलिदान देना होगा।
प्रिया गहरी साँस लेती है और साहस पर चढ़ जाती है। साहस तुरंत ज्वालामुखी की ओर छलांग लगाता है।
लक्ष्मी को बचाने के लिए मुझे ये करना ही होगा।
वह अपने हाथ में एक छुरी लेती है और दादी के दिए हुए कंगन को सीने से लगाती है।


प्रिय छुरी रो अपनी कलाई पर घाव बनती है। खून बहने लगता है। वह कंगन को अपने सीने से लगाए हुए वह साहस के साथ बिना किसी डर के ज्वालामुखी के अंदर कूद जाती है।
अचानक, कंगन से एक जादुई सुरक्षा चक्र निकलता है, जो प्रिया को चारों ओर से घेर कर उसे लावा की ज्वालाओंसे सुरक्षित रखता है। प्रिया के खून की बुंदे राहु के विष में गिरने लगती है।


प्रिया का खून राहु के लावा को पथर में बदल देता है और उसके विष को बेअसर कर देता है। को बेअसर कर देता है। प्रिया के चारों ओर ज्वालायें बुझने लगती है।



मुझे पता था की प्रिया राहु को हरा पाऐगी !
शहर में, लावा बहना बद हो जाता हे, और धीरे धीरे पत्थर में बदल जाता है।
मौत के कगार पर पहुंची प्रिया को साहस शहर में लाता है।
प्रिया मैंने तुम्हें एक बार खो दिया था, अब फिर से मुझे छोड़ के मत जाओ !
लक्ष्मी राहु के प्रभाव से मुक्त हो चुकी है। वह प्रिया को गले लगा कर रोने लगती है।
रो मत लक्ष्मी, यही मायने रखता है की हम फिर से साथ हैं।
मुझे माफ करना, प्रिया। मुझे पता नहीं क्या हो गया था।


दुनिया वाले तुम्हें कभी स्वीकार नहीं करेंगे। वहाँ तुम्हारे लिए कोई उम्मीद नहीं है।
तुम्हारी बातों का अब इन लड़कियों पर कोई असर नहीं होगा।
मणिधरी अपनी नागिनों को आदेश देती है की अमृत को कालकोठरी में डाल दिया जाए।
मुझे डर लग रहा है, प्रिया।
अब मैं तुम्हारे साथ हूँ। मैं तुम्हें कुछ नहीं होने दूंगी।


त्रिया, लक्ष्मी और वाकी लड़कियाँ सीढ़ियां चढ़ कर राहु के बहार आती हैं।
हमेशा याद रखना तुम कमज़ोर नहीं हो। तुम दुर्गा या काली का रूप भी ले सकती हो।
हम तुम्हारे साथ जा रहे हैं।
तुम सबको अपने घर अपने परिवार के पास जाना चाहिए।
यह सच है। वे हमें जिंदा जला देंगे।
पहले थोड़ी सी कठिनाई होगी, लेकिन फिर वे ज़रुर स्वीकार करेंगे।
मैं तुम्हारे साथ तुम्हारे गाँवों में जऊंगी,मैं तुम्हें सुरक्षित तुम्हारे परिवार तक पहुँचाऊँगी।
ऐसा सिर्फ फिल्मों या कहानियों में ही होता है, असली दुनिया बहुत कठोर है।
वे हमारा स्वीकार नहीं करेंगे!

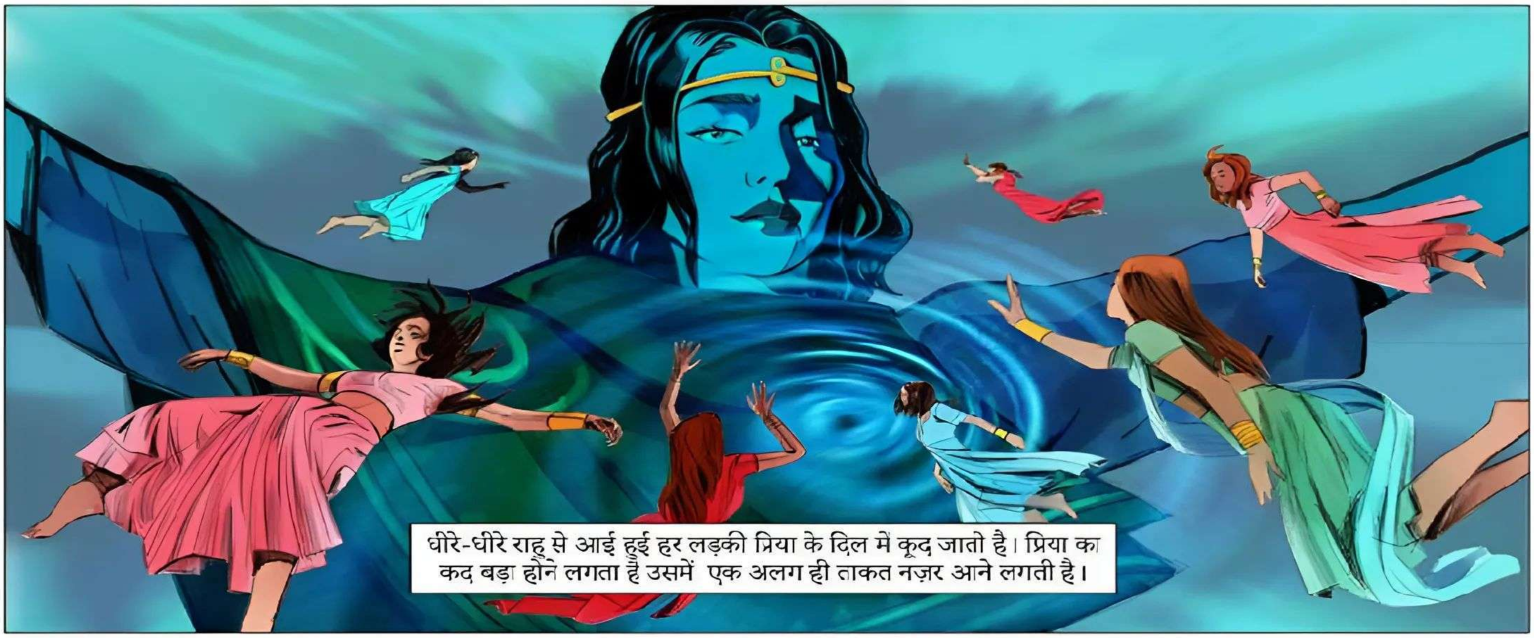

प्रिया लड़कियों के साथ उनके गाँवों में जाती है। प्यार और ख़ुशी से उनका स्वागत करने के बजाय परिवार और गांव वाले उन्हे अपराधियों की तरह देखते हैं और उनका तिरस्कार करते हैं।
जब लड़कियाँ अपने गांव पहुँचती है तो उनके परिवार और गांव वाले उनका स्वागत करने के बजाय, उनके साथ घृणा और उप्हास भरा व्यवहार करते हैं।
लोग उन्हें ताने और गालियाँ देते है।


एक माँ अपनी बेटी को गले लगाती है। लगता है शायद कुछ उम्मीद है।
मुझे माफ़ करो बेटा, तुम्हारे बाबा ने तुम्हें घर के अंदर आने से मना किया है।
बेशर्म लड़कियों, तुम्हारे वेश्यालय वापस जाओ! या बेहतर है, मर जाओ!
तुम भी उस वेश्यालय में जाते हो। तुम बेशर्म हो!
चरित्रहीन लड़की! तुम्हारी ज़ुबान काट देनी चाहिए।
लेकिन मैं सच बोल रही हूं। मैंने तुम्हें राहु में देखा है।
तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई मेरे पति के बारे में ऐसी बातें कहने की।


बेशर्म औरतें!
गंदी औरतें!
वापस जाओ!
निकलो यहां से!
घटिया लड़कियों के लिए यहाँ कोई जगह नहीं है।
आह! मत मारो!
रुको
आउच!
लक्ष्मी सभी लडकियों को रोकने की कोशिश करती है।
मुँह फेर के भागने से समस्या हल नहीं होगी! हमें साथ खड़े होकर इनसे लड़ने की जरुरत है।
प्रिया को गुस्सा आने लगता है!


RRRGGGGARR


प्रिया की दहाड़ से सब चौंक के रुक जाते है !


धीरे-धीरे राह से आई हुई हर लड़की प्रिया के दिल में कूद जाती है। प्रिया का
कद बड़ा होने लगता है उसमें एक अलग ही ताकत नज़र आने लगती है।




बस बहुत हो गया! तुम हमें बदनसीबी के रास्ते में धकेलते हो और कहते हो कि यह हमारी गलती है।
क्या तुम अपनी बेटी को मरने दोगी?
तुम अपनी बेटी को सुरक्षित रखना चाहती हो, लेकिन दूसरी माँ के दर्द को महसूस नहीं कर सकती?! तुम अपने पति के दोषों को देख कर भी अनदेखा कर रही हो!
जब हमारी अपनी माताएँ हमारे साथ खड़ी नहीं होती हैं तो हम किसी और से क्या उम्मीद कर सकते है?
लेकिन इन सबने पाप किया है। एक औरत को अपनी सीमाएं समझनी चाहिए।
हमारे पाप? हमें मरना चाहिए क्योंकि उन्होंने हमारा सम्मान हम से छीन लिया? नहीं! यह हमारा सम्मान नहीं बल्कि उनका सम्मान है, जो चला गया।
तुम उसे जन्म देती हो। तुम उसे ताकत देती हो। तुम्हें उसे सिखाने की ज़रुरत है कि महिलाओं का सम्मान कैसे करना चाहिए।
लेकिन तुम वहाँ खड़े रह कर हम पर पत्थर फेक रही हो!


मुझे मेरी बहन वापस दे दो। मैं उससे बहुत प्यार करता हूं।
लेकिन वह एक लड़की है।
मुझे पता है, लेकिन उसे स्वाभिमान, सम्मान और समानता की भी ज़रूरत है।
हाँ वो एक लड़की है!
लड़के स्कूल जाते हैं। लड़कियाँ खाना बनाने के लिए घर पर रहती हैं। लड़के लड़कियों की रक्षा करते हैं।
राहु इतना शक्तिशाली था क्योंकि पूरी दुनिया लड़कों और लड़कियों को असमान तरीके से बड़ा करती है।
ये लड़कियाँ अपनी मर्ज़ी से राहु में काम कर रही थी और तुम कह रही हो की हम इसके लिए जिम्मेदार है?
उनमें से ज़्यादातर ने सोचा कि वे अमीर लोगों के लिए नौकरानी का काम करने जा रही हैं। और बाकीओं को तस्कर ज़बरदस्ती से ले आये।

कॉमिक्स जंक्शन की रोमांचक दुनिया में आपका स्वागत है, जहां रचनात्मकता की कोई सीमा नहीं हैं। हम सिर्फ एक कॉमिक्स फैंस के समूह नहीं हैं, हम कल्पना, रोमांच और कलात्मकता के ब्रह्मांड का प्रवेश द्वार हैं। 🦋

❁ *आप हमसे सभी प्लेटफार्म (सोशल-मीडिया) पर जुड़ सकते हैं।* ❁

**Facebook Page ⇛ JOIN NOW**

**Facebook Group ⇛ JOIN NOW**

**ChatWise Group ⇛ JOIN NOW**

**WhatsApp Group ⇛ JOIN NOW**

**Telegram Channel ⇛ JOIN NOW**

**New Comics Updates ⇛ JOIN NOW**

**Visit Website ➪ https://ComicsJunction.Stck.Me**

***नोंट : किसी भी चैंनेल/पेंज या ग्रुप मे ज्वॉइन होने के लिए JOIN NOW बटन पर क्लिंक करें।***



माँ, तस्कर का मतलब क्या होता है?
बुरा इंसान जो बच्चों को बुरी जगह पर ले जाता है।
इसी वजह से हम अपनी लड़कियों को परदे के पीछे और बंधनों में रखते है ताकि वह सुरक्षित रहें।
ताकि लड़कियों का दम घुट जाए?
लेकिन हम समाज को कैसे बदल सकते हैं?
बिल्कुल नही!
क्या तुम औरतों की दुश्मन हो?
क्या तुम अपने बेटे को ताने नहीं मारती की वो अपनी पत्नी को काबू में नहीं रख पा रहा है?
क्या तुम अपने बेटे को मर्द बनने की सलाह नहीं देती? उसे नहीं कहती की अपनी पत्नी को मार-पीट कर भी उसे अपने काबू में रखना चाहिए?
जाओ अपनी लड़कियों से कहो कि तुम उन्हें देख सकते हो! उनकी बात सुन सकते हो! उनका सम्मान करो! और अपने बेटों को भी ऐसा करना सिखाओ।
क्या मैं भी तुम्हारे भीतर रह सकती हूं? मेरे माँ और बाबा हमेशा मुझे बोझ बुलाते हैं। उन्हें हर समय मेरे दहेज की फ़िक्र होती है।


अब हमारे बिना जियो!
जब आप महिलाओं के सामाजिक ओहदे और योगदान का आदर कर पाओगे, तब हम वापस आयेंगे।
लड़कियों को दुनिया से सुरक्षित रखने के बजाय, एक ऐसी दुनिया बनाएं जो उनके लिए सुरक्षित हो! हम उस दुनिया का इंतजार करेंगे।

# प्रिया का मास्क



कहानी एवं अनुवाद
शुभ्रा प्रकाश


इतने समय बाद, साहस अपने साथियों से मिलकर कितनी खुश है ।
जंगल में इंसानों को देखे हुए हफ़्ते गुज़र चुके हैं।
अब हवा साफ़ है, और अब वो दूर के विशाल पर्वत भी दिखने लगे हैं।
साहस, तुम्हें हमारे साथ रहना चाहिए।
प्रिया को मेरी ज़रुरत है। मै उसकी शक्ति हूँ, उसकी दोस्त। हम एक दुसरे का ख्याल रखते हैं।
मुझे लगता है ये पानी मुझसे कुछ कहना चाह रहा है।
प्रिया !


मेरी बहादुर प्रिया, तुम्हारे दिल में दया का सागर है; तुमने कई राक्षसों का सामना किया है; लेकिन अब हमारा संसार एक अदृश्य शक्ति से जूंझ रही है -- एक वायरस, जो कि सबसे अद्भुत है।
एक अदृश्य शक्ति से मै कैसे मुकाबला कर सकती हूँ ? एक वायरस ?
इस वायरस की वजह से इंसान की सांसें उसके लिए खतरनाक बन गयी हैं। इससे लोगों के बीच दूरियाँ आ गयी हैं। ये दूरियाँ डर को और बढ़ा रही हैं। तुम्हें उन्हें विश्वास दिलाना होगा की वायरस को साथ मिलकर ही हराया जा सकता है।
अपनी और सभी की सुरक्षा के लिए इसका इस्तेमाल करना। तुम्हारा दिल बहुत बड़ा है प्रिया , और इसी लिए तुम्हारी शक्ति हमेशा बनी रहेगी।
वो देखो, इतने सारे लोग शहर छोड़ कर क्यों जा रहे हैं ?


देखो प्रिया, लोगों ने अपने चेहरे ढ़के हुए हैं।
ये मास्क वायरस को बहार रक्खेगा, और उसे फ़ैलने से रोकेगा।
मुझे यहाँ एक खामोश डर महसूस हो रहा है
सब अपने घरों में छिपें हैं।
मानो समय रुक चुका हो

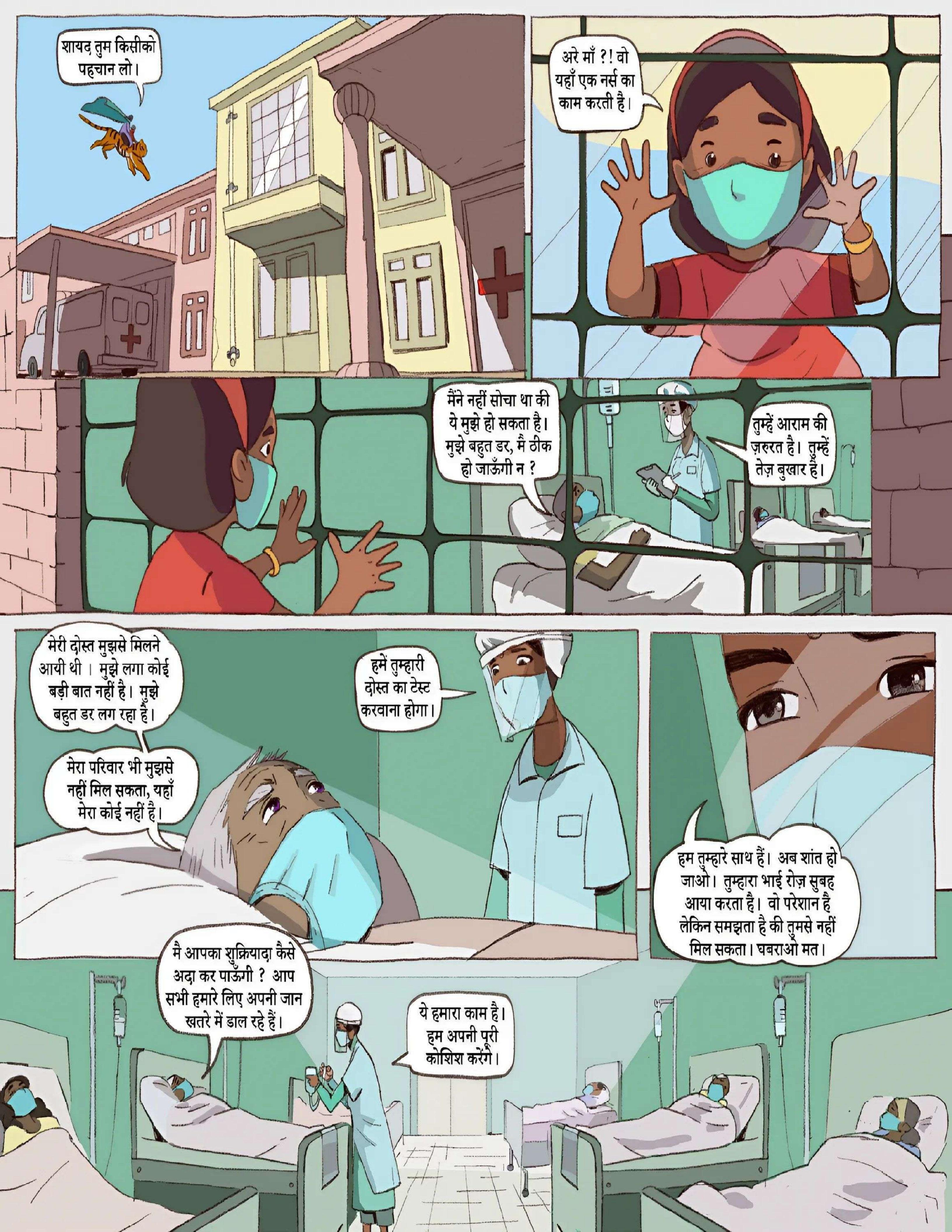


पता नहीं मै अपने दोस्तों से फिर कब मिल पाऊँगी।
डरो मत। मै प्रिया हूँ, तुम्हारी दोस्त। और ये साहस ।
अरे क्या तुम एक जादुई शेर और राजकुमारी हो ?
तुम उदास क्यों हो ?
मीना, पापा की बात मानना।
हाँ माँ।
माँ कहती है की लोग बीमार हो रहे हैं इसलिए हमें घर पे रहना होगा।
क्या तुम फिर देर से घर लौटोगी ?
मुझे नहीं मालूम, मै कब तक घर लौटूंगी। मेरा अस्पताल में और नर्सेज के साथ मरीज़ों का ख़्याल रखना ज़रूरी है। मेरी मदद करना और घर का ख़्याल रखना।



काश हम पहले की तरह पार्क में खेलने जा सकते। तुम मेरी मनचाही खीर बनती थी, और मुझे कहानियां सुनाती थी। अब मै वो सब याद करती हूँ।
अपने दोस्तों को याद करती हूँ, अब बातें करने के लिए कोई भी तो नहीं है मेरे पास।
कभी कभी हमें बहादुर बनना पड़ता है, ताकि जो हमें प्यार करते हैं वो भी बहादुर बन सकें।
चलो सैर पे चलते हैं। तुम कभी एक उड़ने वाले शेर पे बैठी हो ?
वाह ! मैंने पहले कभी वैसी चिड़िया नहीं देखीं !
ये कह रही हैं की शहर की हवा साफ़ होने की वजह से ही वो यहाँ आई हैं।
मुझे अब भी विश्वास नहीं हो रहा कि साहस बात कर सकती है !


वो मेरी दोस्त लीना की पतंग ।
काश मै नानी के घर जा पाती। वो सब ठीक कर देती।
वो देखो ! माँ मुझे वहाँ आइसक्रीम और मिठाई दिलाने ले जाती है। हमें लाइन में लग्न पड़ता है, पर अब सब बंद !
ये किसकी आवाज़ें हैं ? कहाँ से आ रही हैं ?
ग़रीबों को जल्दी हो जाता है।
ये उनकी आवाज़ें हैं जो ना की सोच समझ बल्कि डर से काम लेते हैं। दया हमें रास्ता दिखाती है, और डर हमें कमज़ोर बनाता है।
आप मुझे ज़बरदस्ती मास्क नहीं पहना सकते ! मेरी मर्ज़ी !
अरे कोई वायरस-आयरस नहीं है !
ये सिर्फ बूढ़े लोगों की बिमारी है।


शायद तुम किसीको पहचान लो।
अरे माँ ?! वो यहाँ एक नर्स का काम करती है।
मैंने नहीं सोचा था की ये मुझे हो सकता है। मुझे बहुत डर, मैं ठीक हो जाऊँगी न ?
तुम्हें आराम की ज़रुरत है। तुम्हें तेज़ बुखार है।
मेरी दोस्त मुझसे मिलने आयी थी । मुझे लगा कोई बड़ी बात नहीं है। मुझे बहुत डर लग रहा है।
मेरा परिवार भी मुझसे नहीं मिल सकता, यहाँ मेरा कोई नहीं है।
हमें तुम्हारी दोस्त का टेस्ट करवाना होगा।
हम तुम्हारे साथ हैं। अब शांत हो जाओ। तुम्हारा भाई रोज़ सुबह आया करता है। वो परेशान है लेकिन समझता है की तुमसे नहीं मिल सकता। घबराओ मत।
मै आपका शुक्रियादा कैसे अदा कर पाऊँगी ? आप सभी हमारे लिए अपनी जान खतरे में डाल रहे हैं।
ये हमारा काम है। हम अपनी पूरी कोशिश करेंगे।


मीना, वायरस की वजह से, माँ तुम्हारे साथ बिताने वाला समय इन मरीज़ों की सेवा में लगा रही है। मै जानती हूँ कि वो तुम्हें ज़रूर याद करती है, लेकिन अभी इन सभी को तुम्हारी माँ की मदद की बहुत ज़रुरत है ।
वो सारे दिन मेहनत करती है, इतने सारे लोगों की देखभाल करती है ! इसलिए मुझसे कहाँ मिल पाती है।
और अब भी कितने सारे लोगों को मदद की ज़रुरत है। मै वादा करती हूँ की मै तुम्हारे लिए बहादुर बनकर रहूंगी।
DING DING DING
उसी रात, थोड़ी देर बाद।
THANK YOU
मीना ने अपने पड़ोसियों के साथ मिलकर माँ की मेहनत के लिए उसे सम्मानित किया ।



साहस, वायरस अभी भी दुनिया में फैला हुआ है। हमें अपने सभी दोस्तों को बताना होगा, और उनके साथ मिलकर उसे रोकना होगा।
हमें जिया से मिलने हल्वापुर की ओर जाना चाहिए। जिया एक शिक्षक और अपने शहर की रक्षक है।
https://www.facebook.com/Comics.Junction.CFS
गुप्त रूप से, उसे बुर्का एवेंजर के रूप में जाना जाता है।
शहर के बाहर, हलवापुर का खलनायक, बाबा कबूम, अपने गिरोह के साथ योजना बना रहा है।
तुम्हारे चेहरों पर वो मास्क क्या कर रहे हैं ? निकाल कर फेंको उन्हें बेवकूफों ! सिर्फ बुज़दिल मास्क पेहेनते हैं।
लेकिन बाबा कबूम। वो वायरस !
ठीक है ! मुझे तुममें से किसी की ज़रुरत नहीं ! मै ख़ुद ही वायरस फैलाकर हल्वापुर को अपने हवाले कर लूंगा !


हम इल्म और अच्छाई के रास्ते पर चलेंगे। यही तख़्त कब्बडी का उसूल है। मुझे स्कूल के बच्चों की मदद चाहिए होगी।
जिया, मेरी दोस्त, मुझे नहीं लगता की बाबा कबूम इस वायरस की ताकत को समझता है। तुम्हें शहर को सावधान करना होगा। ये वायरस पहले के उन सभी दुश्मनों से सबसे अलग है।
हाँ जिया, इस लड़ाई के लिए सबको एक होना पड़ेगा।
मुझे स्कूल की याद आ रही है। और मिस जिया की।
WEAR A MASK
हमें मज़बूत बनना पड़ेगा, मिस जिया को हमसे यही उम्मीद है कि हम अपना और अपने आस पास सभी का ख़्याल रखें।
देखो ! वहाँ नीचे ! क्या वो सड़क पे बाबा कबूम है ? वापस आ गया ! अबकी बार किस लिए ?
हल्वापुर पे मेरा क़ब्ज़ा होगा ! मै इस वायरस से तुम सबको क़ाबू में कर लूँगा।

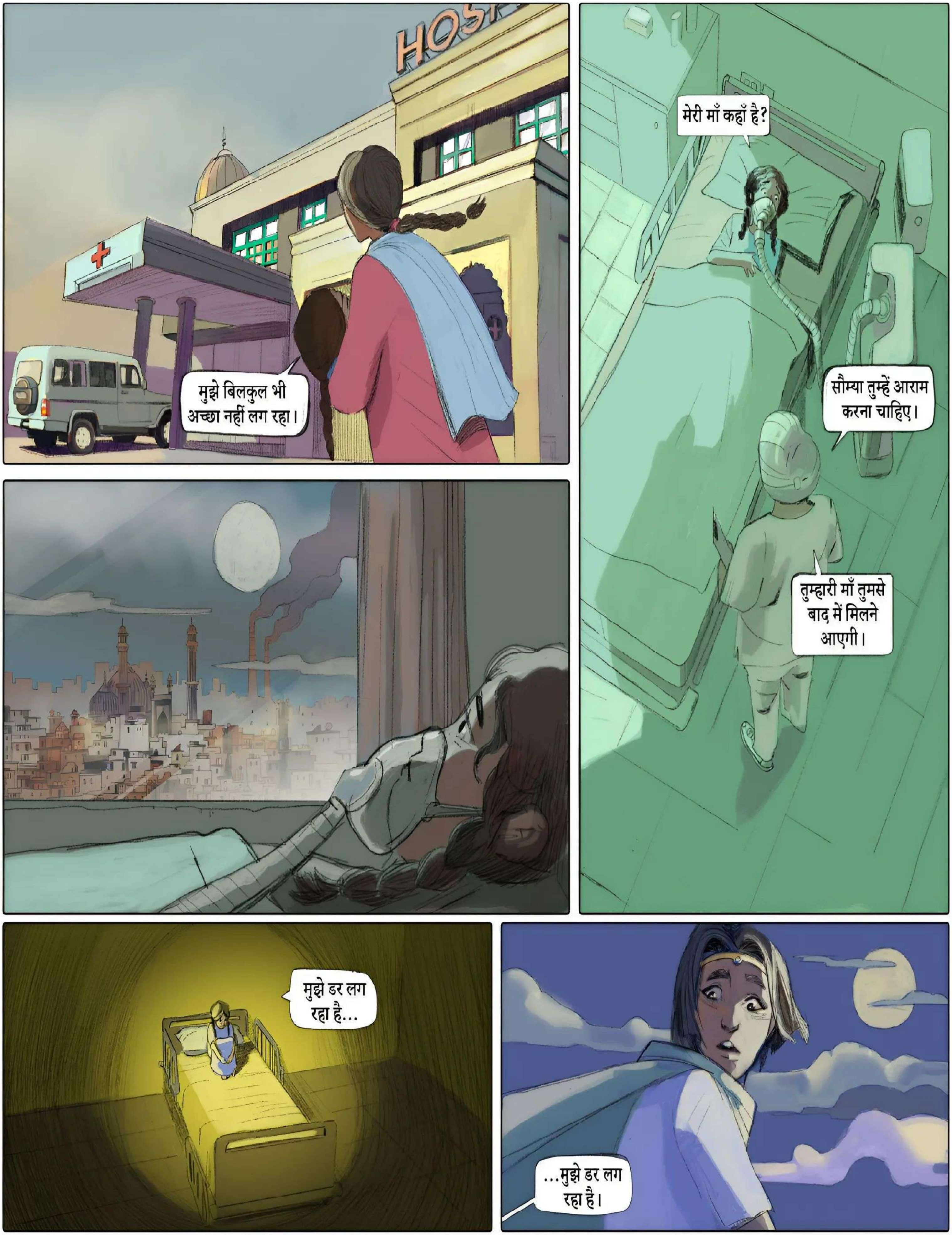

कहाँ गए सब ? अच्छा अपने घरों में छुपे बैठो हो ? बाहर निकलो, मै तुम पर क़ब्ज़ा करने आया हूँ।
तुम वायरस से बीमार हो चुके हो बाबा कबूम। तुम हल्वापुर के लोगों का कुछ नहीं बिगाड़ सकते। तुम्हे एक डॉक्टर की ज़रुरत है।
वो हमारा दुश्मन है।
हम क्यों उसकी मदद करें ?
बाबा कबूम की वजह से हमें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। लेकिन अभी वह बहुत बीमार है और हमें उसकी मदद करनी चाहिए।

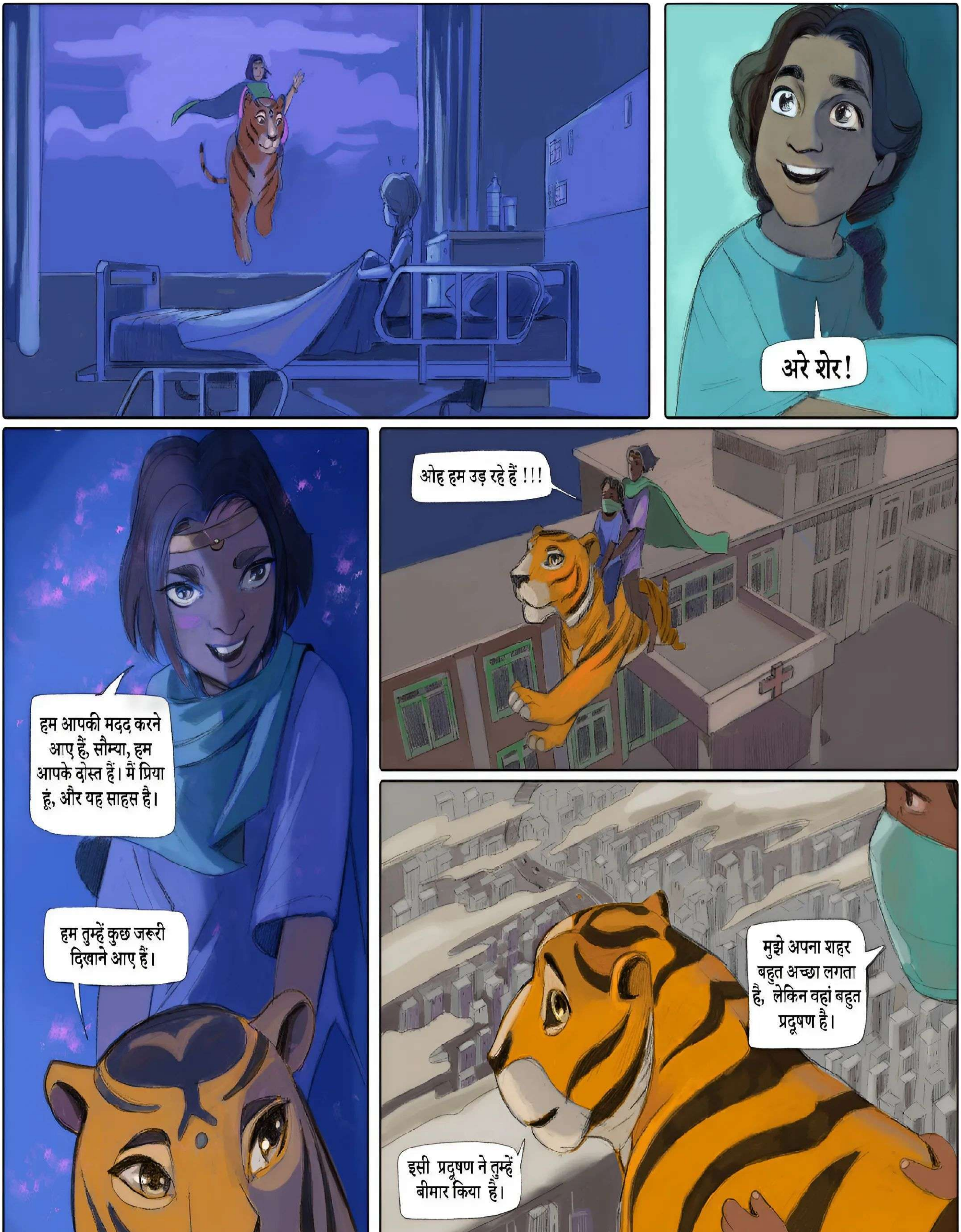

साहस बाबा कबूम को अस्पताल ले जाएगी।
शेर !!! आह, तुम मुझे एक शेर का खाना नहीं बना सकती ।
डरो मत बाबा कबूम, ये साहस है । प्रिया और साहस हमारे दोस्त हैं।
मास्क हमें वायरस से बचाता है, लेकिन एक बात हमें नहीं भूलनी चाहिए।
मै तुम्हारी बातों को समझ रही हूँ, प्रिया। हम सब एक हुए बिना, नहीं बच पाएंगे।


मै  अपनी और आपकी, दोनों की सुरक्षा के लिए मास्क पहनती हूँ।
हम साथ मिलकर इस वायरस को हरा  सकते हैं।


प्रिया और
घूमती हवा
कहानी एवं अनुवाद
शुभ्रा प्रकाश


माँ !
हाँ बेटा मैं जानती हूँ तुम दर्द में हो । तुम्हारा अस्थमा भी बिगड़ रहा है।


HOS
मुझे बिलकुल भी अच्छा नहीं लग रहा।
मेरी माँ कहाँ है?
सौम्या तुम्हें आराम करना चाहिए।
तुम्हारी माँ तुमसे बाद में मिलने आएगी।
मुझे डर लग रहा है...
...मुझे डर लग रहा है।


अरे शेर!
हम आपकी मदद करने आए हैं, सौम्या, हम आपके दोस्त हैं। मैं प्रिया हूं, और यह साहस है।
हम तुम्हें कुछ जरूरी दिखाने आए हैं।
ओह हम उड़ रहे हैं!!!
मुझे अपना शहर बहुत अच्छा लगता है, लेकिन वहां बहुत प्रदूषण है।
इसी प्रदूषण ने तुम्हें बीमार किया है।


ये सभी कारें धुआँ फैलाती हैं।
ये सभी कारख़ाने भी धुआँ फ़ैलाते हैं।
मेरी माँ एक कारख़ाने में काम करती है!
माना की बदलाव मुश्किल है, लेकिन सभी को नए तरीके सोचने होंगे।
किसान नई फसल बोने से पहले अपने खेतों को जला देते हैं।
लेकिन उनके पास और कोई रास्ता भी तो नहीं।
फिर वही धुआँ शहर में फैलता है।
ये कठिन समस्याएं हैं, सौम्या, लेकिन इन्हें नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता है।
वह आगे, क्या है?


यह मेरा घर है। अब तुम मेरे दोस्तों से मिलोगी।
सौम्या तुम्हारा स्वागत है!
अरे वो तो मै कहने वाला था! तुम्हारा स्वागत है, सौम्या!
वाह!
प्रिया, यहाँ की हवा तो बहुत ताज़ा है ! मैं आसानी से साँस ले सकती हूँ!
अब मुझे छाती में दर्द भी नहीं होता।


तुम क्या पढ़ रहे हो?
ओह हैलो। मैं स्वच्छ ऊर्जा के बारे में सीख रहा हूँ।
वो क्या होता है?
बिना धुएँ के बिजली कैसे बनाये।
और कैसे पेड़ हवा को शुद्ध करते हैं। वे वातावरण से प्रदूषक गैसों को अपने अंदर ले लेते हैं।
ओह। शायद हम अपने शहर में इसके बारे में जान सकें?
क्या इसलिए यहाँ की हवा इतनी साफ़ है?
इसमें हम सभी का योगदान है।

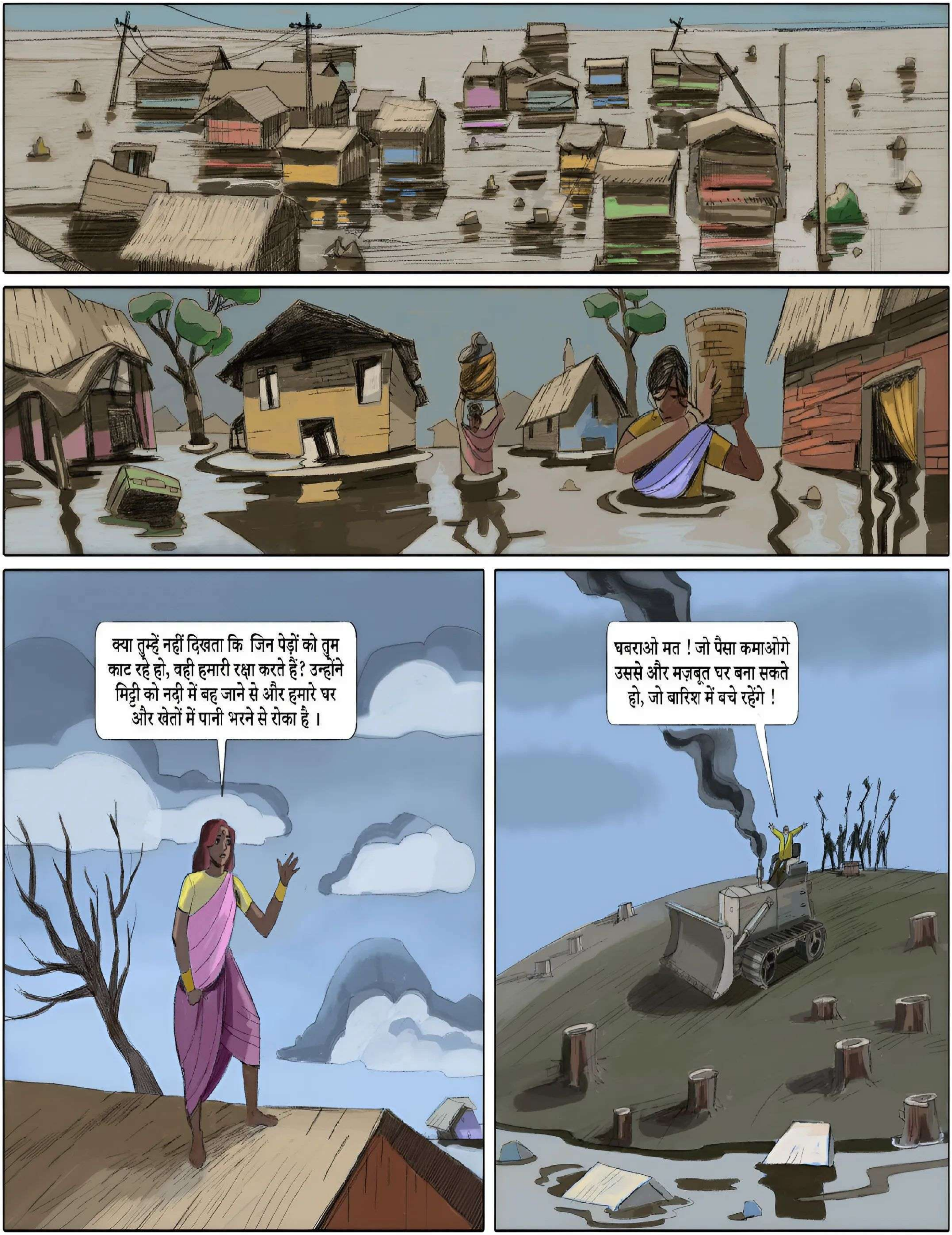


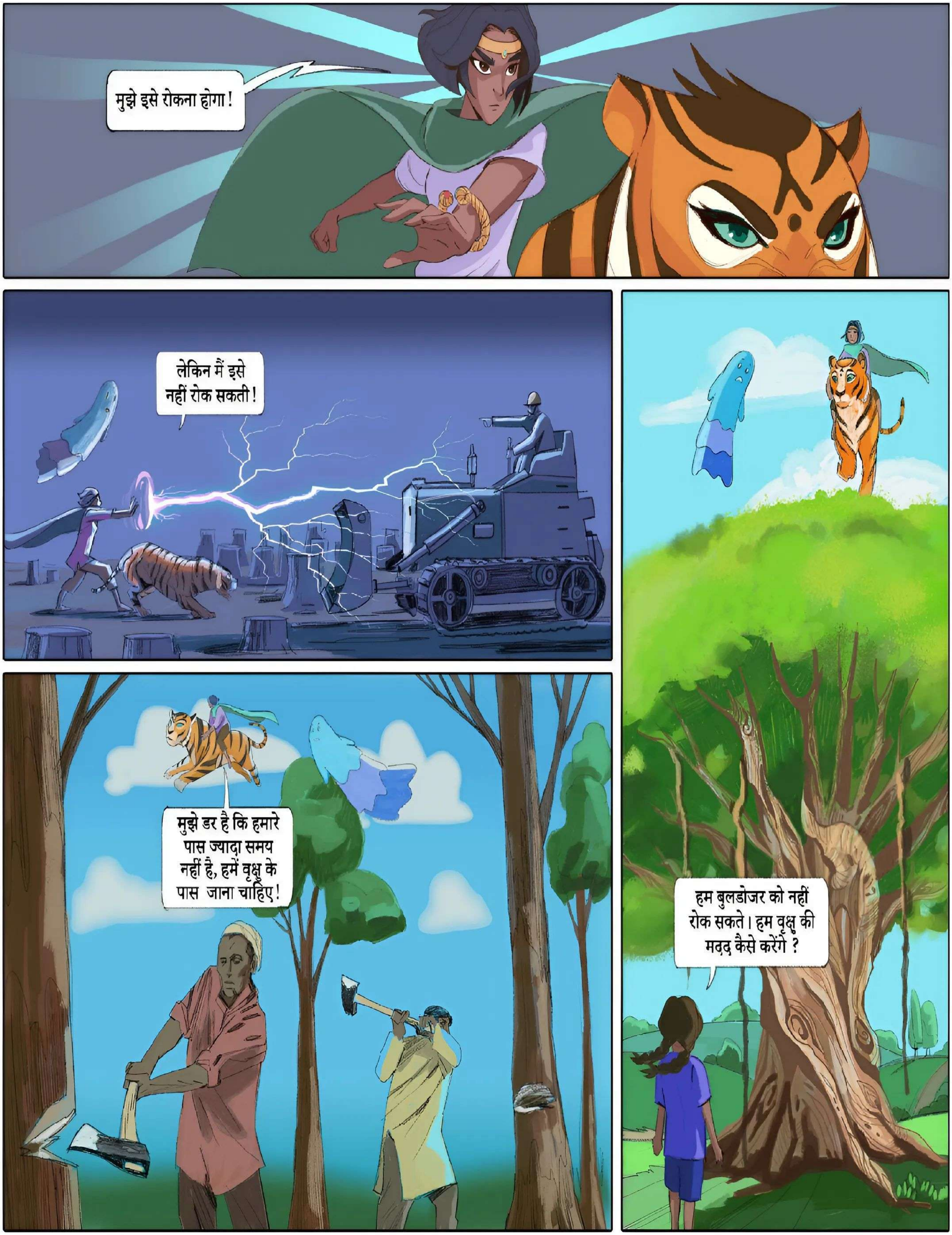
मैं तो रोज़ मदद करता हूँ!
हमने साथ मिलकर अपनी सुरक्षा के लिए इस घूमती हवा का निर्माण किया है।
मैं उससे भी ज़्यादा!
और हम अपने इस घर में नया धुआँ नहीं बनने देते।
आप सब भी साथ मिलकर काम कर सकते हैं।
मेरे शहर में कई परेशानियाँ हैं।
नए उपाय संभव है जब सब मिलकर काम करें।


यह प्राचीन वृक्ष है,वृक्ष, इसकी जड़ों और शाखाओं में बहुतों का घर हैं। यह हम सभी के बीच संतुलन लाता है।
आह नई जगह! नई संभावनाएं! तुमने तो कर दिखाया दक्ष और भक्ष।
शुक्रिया मालिक!
उफ़ कितनी ख़राब आवाज़ है!
मूर्ख लोगों! कान से हाथ हटाकर भयार की सुनो !
मैं इस हरयाली को सोने और जवाहरात के ख़ज़ाने में बदल दूँगा जो आपने पहले कभी नहीं देखे होंगे! बस मेरी धुन पर चलो ?! आओ! क्या आप प्रगति नहीं चाहते? सुनो! प्रगति का संगीत!


संगीत? यह कुछ और नहीं बल्कि परेशान करने वाला शोर है। हम अपने पँछियों के गीतों से खुश हैं।
कैसे ख़ज़ाने? विमला, उसे बोलने दो!
जंगल सब कुछ प्रदान करता है, सदियों से हमारे पूर्वज इसी कारण यहाँ जीवित रह सके हैं ।
https://ComicsJunction.Stck.Me
बेवकूफ़ों! तुम्हें उस ख़ज़ाने का एहसास नहीं है जो तुम्हारी ज़मीन में दबा हुआ है।
बेवकूफ? हम ? आपका मतलब उनसे है? या हमसे? !
आह, बस। हाँ, ख़ज़ाने तुम्हारे लिए !
इस ज़मीन के नीचे खज़ाना है जो बहुत सी ऐसी चीजें खरीद सकता है जो आप चाहते हैं।
लेकिन हमें उसे पाने के लिए खुदाई करनी होगी! अगर आप हमारी मदद करते हैं तो आपको बहुत कुछ मिल सकता है।
वो जंगलों को काटेगा और ज़मीन खोदेगा। हम अपने प्यारे जंगल को खो देंगे, जानवर, पक्षी, कुछ भी पहले जैसा नहीं रहेगा।

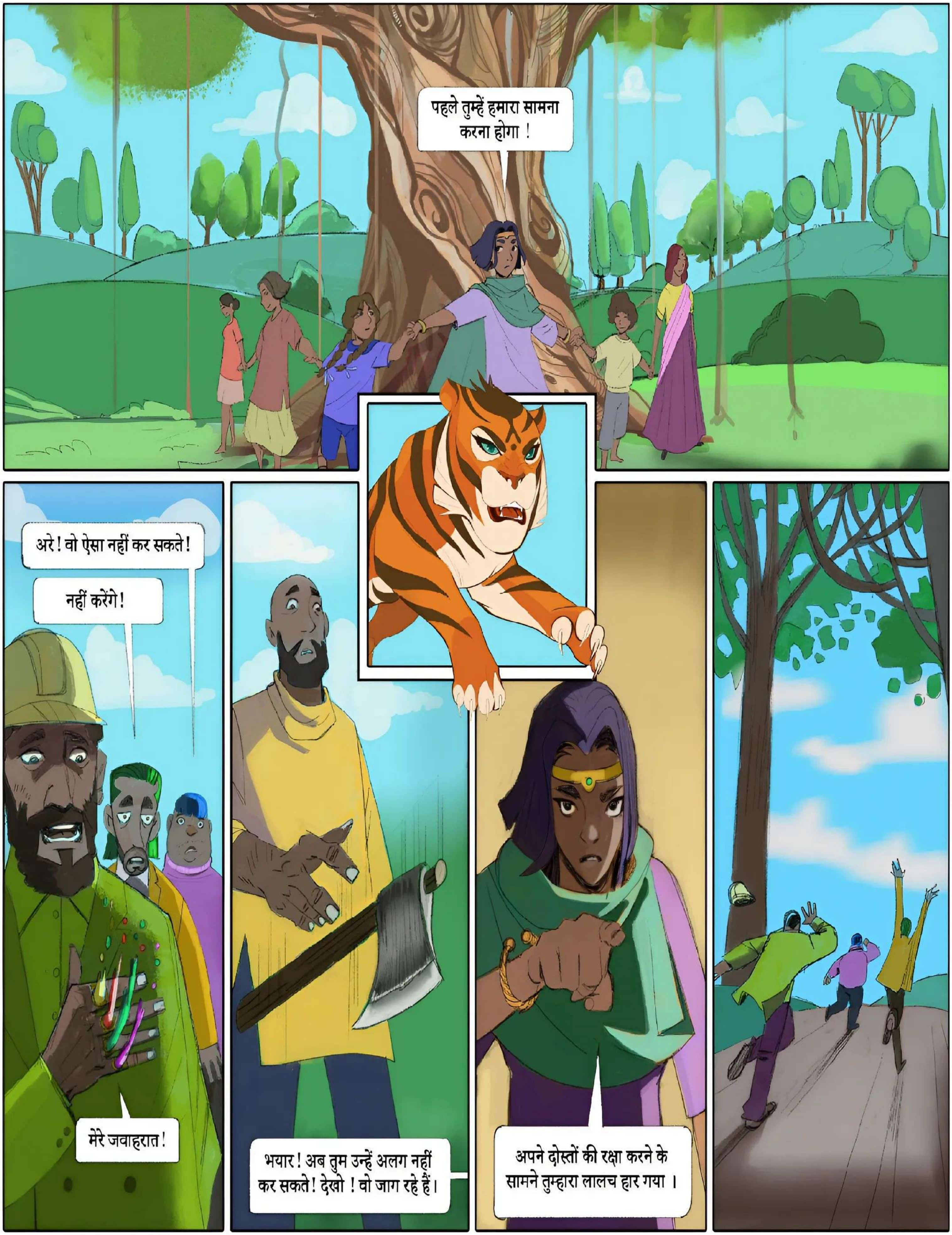

हमारे पशु मित्र नहीं जानते की वो कहाँ जायेंगे।
हमें इन लालची लोगों को अपने प्राचीन वृक्ष, वृक्षु तक पहुँचने से रोकना होगा।
हमारे पशु मित्रों को नहीं पता कि कहाँ जाना है।
मुझे प्रिया और साहस को ढूंढना होगा, उन्हें पता होगा कि क्या करना है।
क्या तुम्हे बादल इकट्ठे होते नहीं दिखते? जल्द ही बारिश का समय आ जायेगा । अगर हम अपने पेड़ खो देंगे, तो हमारे गाँव में बाढ़ आ जाएगी! आप अपने ही घरों को नष्ट करने में मदद कर रहे हैं।
लेकिन भयार हमारा ख़्याल रखेगा।
हम में से कइयों के पास और कोई रास्ता नहीं है।
अगर हम आज उसकी मदद करें, तो हमारे पास भी जवाहरात आ सकते हैं।


क्या तुम्हें नहीं दिखता कि जिन पेड़ों को तुम काट रहे हो, वही हमारी रक्षा करते हैं? उन्होंने मिट्टी को नदी में बह जाने से और हमारे घर और खेतों में पानी भरने से रोका है ।
घबराओ मत ! जो पैसा कमाओगे उससे और मज़बूत घर बना सकते हो, जो बारिश में बचे रहेंगे !


मुझे इसे रोकना होगा!
लेकिन मैं इसे नहीं रोक सकती!
मुझे डर है कि हमारे पास ज्यादा समय नहीं है, हमें वृक्ष के पास जाना चाहिए!
हम बुलडोजर को नहीं रोक सकते। हम वृक्ष की मदद कैसे करेंगे ?


ओह वृक्षु!
अच्छे समाधान अक्सर सरल होते हैं, जो बिलकुल हमारे सामने होते हैं।
मै जानती हूँ मुझे क्या करना है! प्रिया हमें गाँव से सभी को यहाँ लाना होगा।
लेकिन गाँव वालों को भयार ने अँधा कर रक्खा है।
सभी को नहीं किया, विमला और कुछ लोग वापस आयेंगें ।


सुनो लड़की, तुम्हारे लिए यहाँ सुरक्षित नहीं है। हमें अपना काम करने दो। चलो निकलो !
भयार, यह सिर्फ जंगल या सिर्फ एक पेड़ नहीं है, ये बहुतों का घर हैं।
कौन? मुझे यहाँ कोई और नहीं दिख रहा।
बस बहुत हुआ! तुम्हें तुम्हारी मम्मी के पास घर पे होना चाहिए।
तुम वृक्ष को नहीं काट सकते! तुम्हें मेरा सामना करना होगा !
जल्दी! उसका पीछा करना होगा!


पहले तुम्हें हमारा सामना करना होगा !
अरे ! वो ऐसा नहीं कर सकते !
नहीं करेंगे !
मेरे जवाहरात !
भयार ! अब तुम उन्हें अलग नहीं कर सकते ! देखो ! वो जाग रहे हैं।
अपने दोस्तों की रक्षा करने के सामने तुम्हारा लालच हार गया ।



सौम्या तुम्हारी माँ तुम्हारा इंतज़ार कर रही है।
लेकिन, क्या हम फिर मिलेंगे?
सौम्या बेटा, तुम ठीक हो?
हम हार नहीं मान सकते!
माँ, मै वापस आ गई हूँ।
तुम यहीं थी। तुम सपना देख रहीं थी ।
दोस्तों,मैंने एक सपने में ही सही, बहुत कुछ सीखा है । मुझे विश्वास है कि हम अपने शहर में बदलाव ला सकते हैं। मुझसे वादा करो कि तुम मेरी मदद करोगे।
हाँ!
ज़रूर करेंगे


कहानी
शुभ्रा प्रकाश
कीर्ति
मेलनकॉनी
प्रिया और समूह


प्रिया और उसकी बहादुर शेरनी साहस, फिर एक नयी कठिनाई से जूंझनें के लिए लौटते  हैं |
https://ComicsJunction.Stck.Me
पेहला अंक
नोट : कॉमिक का विषय छोटे बच्चों के लिए नहीं है

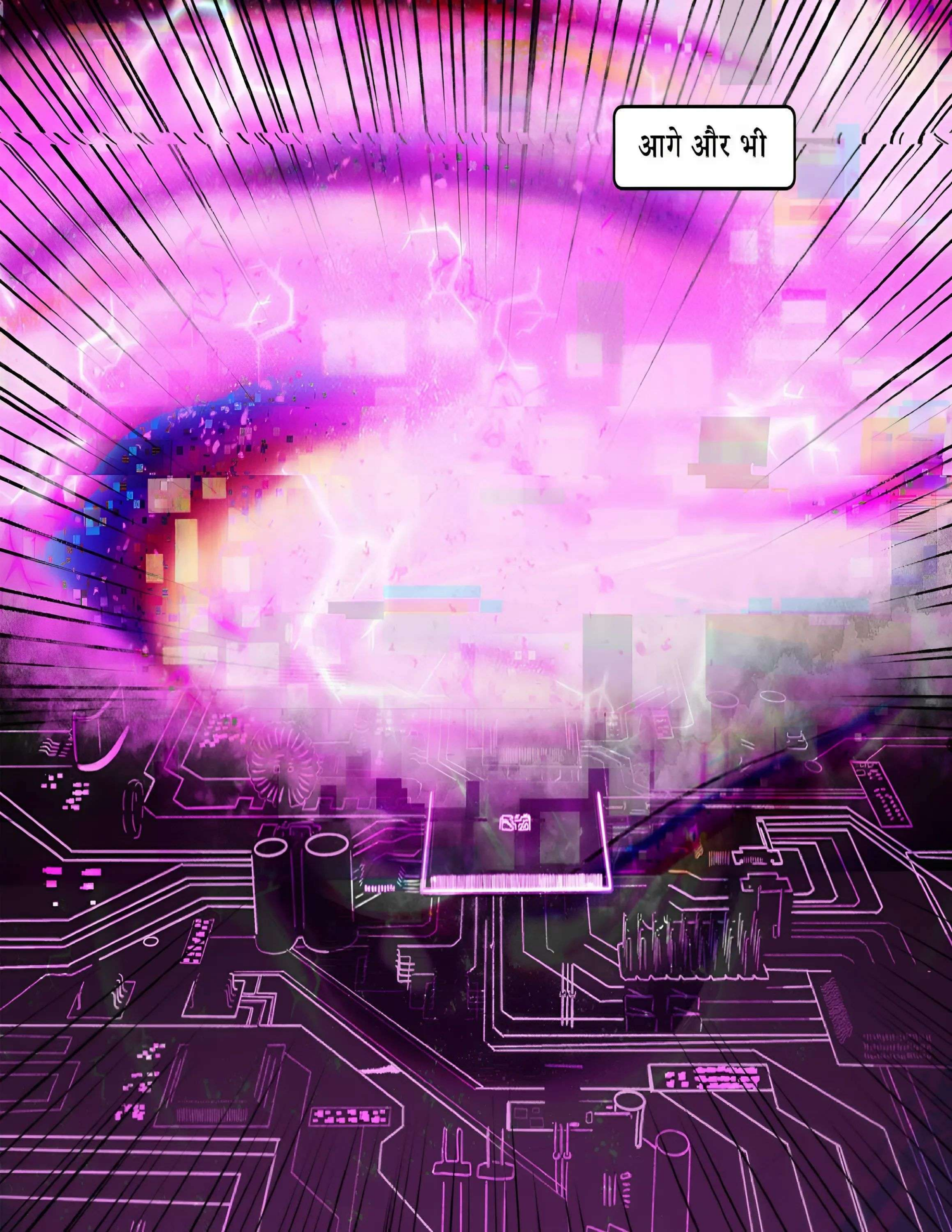

रुको साहस


लेकिन ये क्या चीज़ है ?
हम इससे घिर चुके हैं |




मै ज़रा भी हिल नहीं पा रही हूँ।


हमारा शरीर किसी धातुः में बदल रहा है।


आगे और भी


सुनील तुम्हें भी वो सीरीज़ देखनी चाहिए
देखनी ही पड़ेगी, क्योंकि तुम उसकी बातें करना बंद नहीं करती।
दूसरा अंक
नोट : कॉमिक का विषय छोटे बच्चों के लिए नहीं है
https://ComicsJunction.Stck.Me


वो तो आज कल हर सीरीज़ में होता है।
क्या करूँ, वो है ही एकदम ज़बरदस्त। जब सब हार मान लेते हैं तब स्क्रीन पे आती है अफसर नीला और तब समझ में आ जाता है की ये सबको मज़ा चखाएगी।


अच्छा? कौन सी? वैसे तुम्हारी तरह फ़ोन पे समय बर्बाद करने से तो अच्छा ही है!
क्यों तू मम्मी जैसी बातें करती है? कल क्लास प्रेजेंटेशन में क्या बोलना है वो सोच!
वो तो आसान है।


मै बड़े होके ____


मै बड़े होके पुलिस अफ़सर बनना चाहती हूँ।


सब चुप !
ALGEBRA
HEHEHHHEHEHEHEJAJAJAJA
HHA
JEJEJE
वो देखो अफ़सर मेघा! बाप रे बाप !
HAHAH


मै पुलिस अफ़सर बनना चाहती हूँ क्यूँकि
तुम्हें  इसके लिए बहादुर और सख़्त बनना होगा।


वो तो मै हूँ ही !
इसकी कौन सुनेगा ? एक लड़की पुलिस की ? कोई नहीं !
कोई नहीं !
कोई नहीं !
कोई नहीं !
आगे और भी



तीसरा अंक
नोट : कॉमिक का विषय
छोटे बच्चों के लिए नहीं है
COME TUS
VERDURAS!


ये ले, मम्मी ने तेरा मनपसंद इमली राइस भेजा है।
COME TUS
तू कहाँ था?


कहाँ था मतलब?
तू तो हमेशा मेरा साथ देने वाला था न?
सॉरी यार, मुझे समझ में नहीं आया क्या बोलूँ। इतना शोर था।


तो तुझे भी यही लगता है?
मुझे लगता है, तू कुछ भी कर सकती है। तू बहादुर है और तेज़ भी। मुझे से ज़्यादा तो है ही।


ओये !
बिलकुल सही !


हट!
पर तू तो मेरा बेस्ट फ्रेंड है ना!
आगे और भी

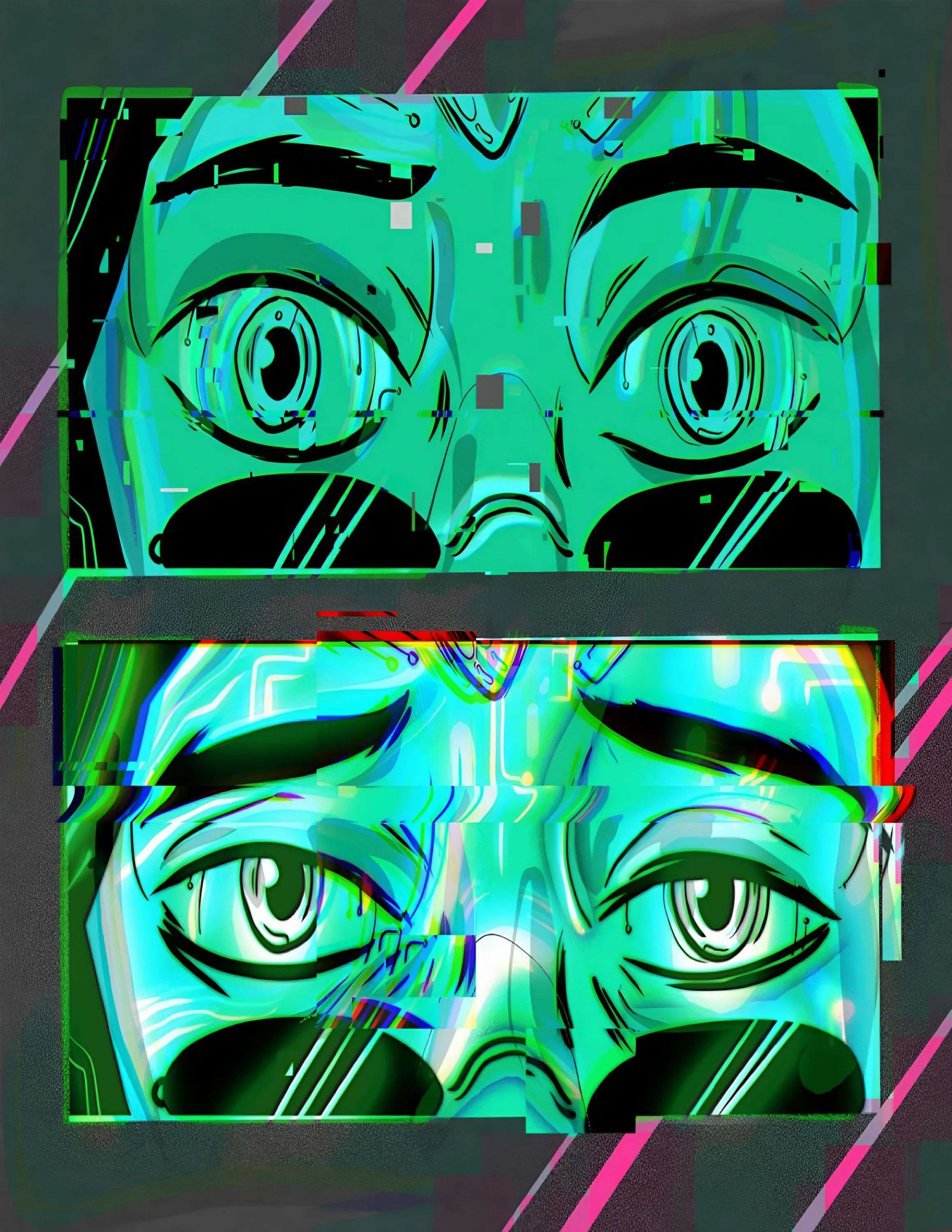

चौथा अंक
नोट : कॉमिक का विषय
छोटे बच्चों के लिए नहीं है
कौन हो तुम?
https://ComicsJunction.Stck.Me


मै छिपी हुई इच्छाओं और भावनाओं से उभरती हुई शक्ति हूँ।


ये देख रही हो प्रिया?
ये सारे व्यक्तित्व मुझे पकड़े हुए हैं।
किसी भी क्षण ये लाखों में होते हैं।


क्या आप प्रिया को जानते हैं कि एक युवा दिमाग़ जिज्ञासा से भरा होता है? और तुम सब इसे समझना ही नहीं चाहते। और उन युवा के मन में आने वाले सवालों को या तो दबाते हो या उससे मुकर जाते हो । ख़ैर, शुक्र है जो मैं हमेशा उनके इर्द-गिर्द रहता हूँ सिर्फ एक क्लिक दूर। मैं उन्हें ऐसे अनुभव देता हूं जिनकी तुम बात भी नहीं करना चाहते, जो उनके लिए कोई और नहीं इक्कट्ठे कर सकता।
तुम स्कूल के इर्द-गिर्द क्यूँ घूमते हो ?


SKREEEE




तुम लोग दोस्त थे न?
अफसर मेघा!
बहुत पहले कभी।
पाँचवा अंक
नोट : कॉमिक का विषय छोटे बच्चों के लिए नहीं है


ये सुनील को क्या हुआ है ?
अफसर मेघा तुझे पसंद करती है।
क्या? नहीं!


तेरी गर्लफ्रेंड है क्या?
नहीं है। और वैसे भी, अफसर मेघा लड़कियों की तरह कहाँ रहती है!


तुझे असली लड़कियाँ दिखाता हूँ।
क्या मतलब?

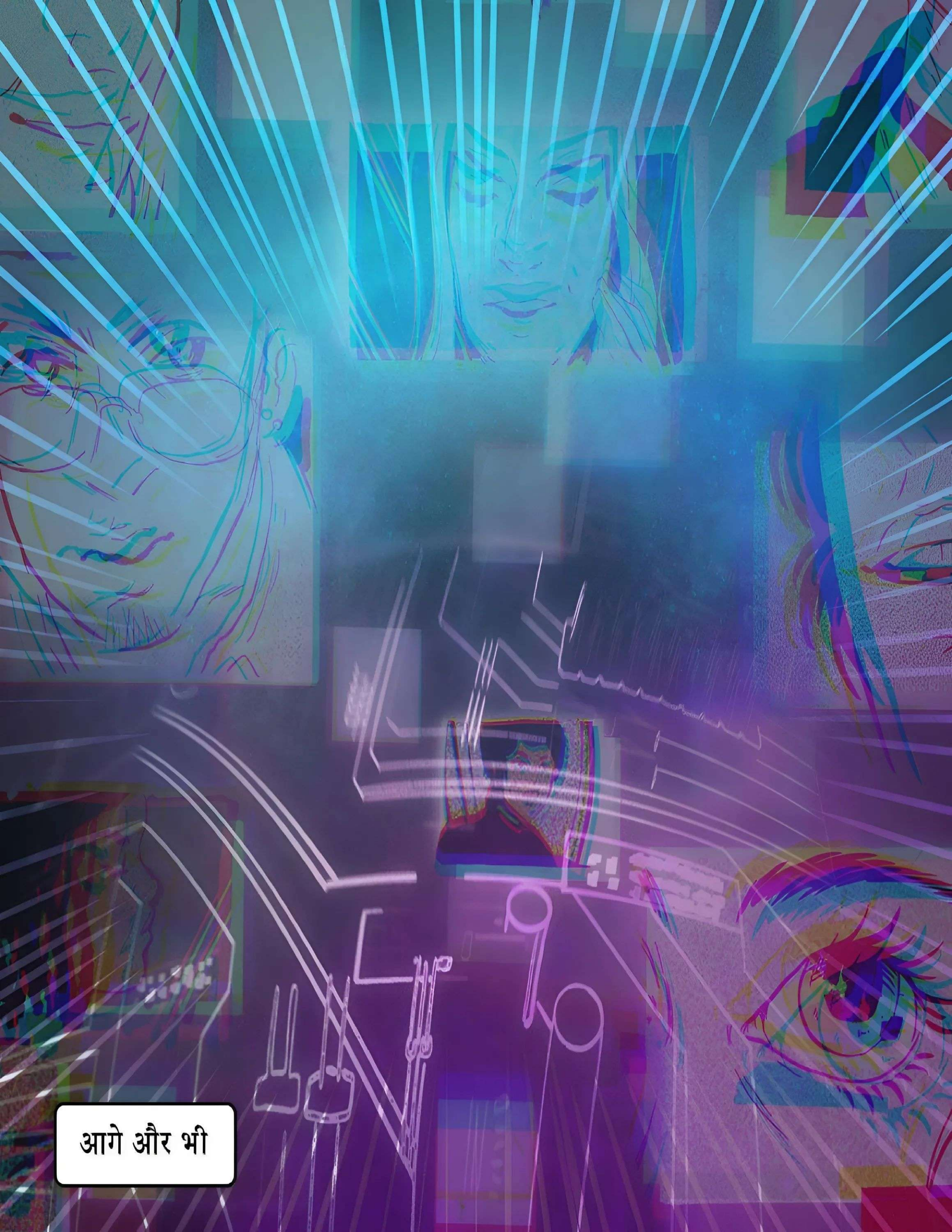

ये देख !
बहुत सही है यार
क्या आइटम है


इसको देख! हैं? ये तू पहली बार देख रहा है क्या?
नहीं !


तुझे देखना चाहिए, सारे लड़के देखते है। नहीं तो पता कैसे चलेगा -- कैसे मतलब क्या करना होता है?
बाद में मिलते हैं
आगे और भी


शायद इसकी शक्ति इन्हीं से बढ़ती है ।

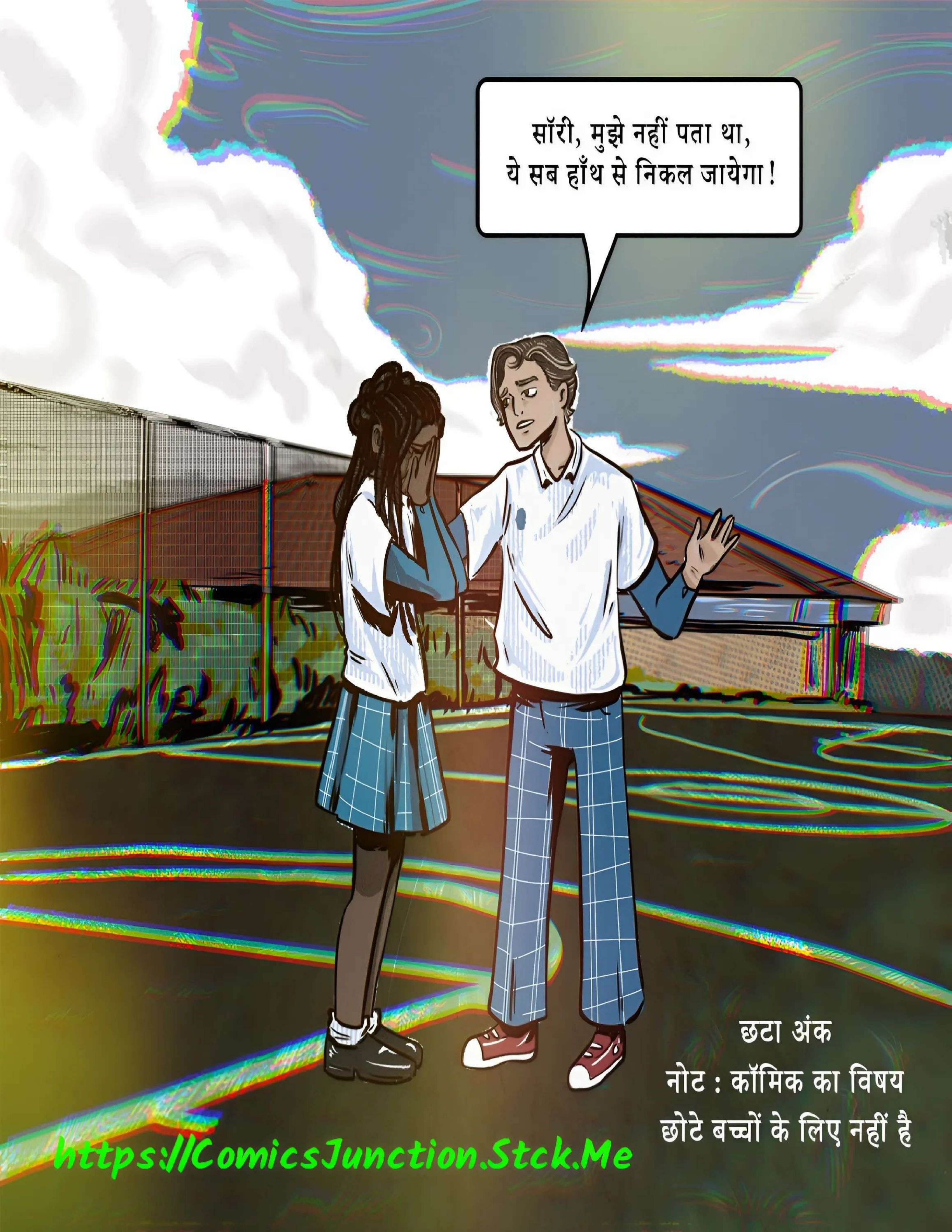

REDHUB.
हमें और पता लगाना होगा। "मेरी बात सुनो ! अब कोई पहेलियाँ नहीं चलेगी ! "


आगे और भी


साँतवा अंक
नोट : कॉमिक का विषय
छोटे बच्चों के लिए नहीं है
https://ComicsJunction.Stck.Me
क्या है इसका मतलब ?


है!
एक युवा का मन यही चाहता है! मैं उन्हें ये सब दे सकता हूं, जबकि दुनिया उन्हें नकारती है।


तुम उनकी उत्सुकता का फायदा उठाते हो और उन्हें पॉर्न दिखाते हो ।
तुम उनकी उत्सुकता का फायदा उठाते हो और उन्हें पोर्न दिखाते हैं।


सॉरी, मुझे नहीं पता था,
ये सब हाँथ से निकल जायेगा !
छटा अंक
नोट : कॉमिक का विषय
छोटे बच्चों के लिए नहीं है


तुम मेरे साथ ऐसा कैसे कर सकते हो? मैंने तुमपे भरोसा किया था। अब मै क्या करुँगी?


देख, ये सब ठीक हो जायेगा। सॉरी, मुझे नहीं पता उनको कैसे मेरे फ़ोन से मिल गया।


तान्या मै तुझे हर जगह ढूंढ रही थी। ये सब तेरी गलती नहीं हैं, तुझे पता है न?
अब मै किसी का भी सामना नहीं कर सकती। मुझे नहीं पता था की वो फोटोज़ शेयर करेगा। उसने तो वादा किया था मुझसे! उसने कहा था कि अगर मै उससे प्यार करती हूँ मुझे उसे अपनी फोटोज़ भेजनी चाहिए। उसने मुझे धोका दिया है।




तो तू यहाँ  है ! अपने दोस्तों के बग़ैर कभी दिखता ही नहीं ।
कैसे रह सकता है तू ऐसे लोगों के साथ? तान्या के साथ उन्होंने कितना बुरा किया  ये जानते हुए भी।


उसे वो तस्वीरें कभी नहीं भेजनी चाहिए थीं।
तुम लड़कियों को संभल कर रहना चाहिए , तुम्हें नहीं पता की क्या क्या चलता रहता है।
तेरा कहना का मतलब है कि उसे किसी पर भरोसा करने के लिए शर्मिंदा होना चाहिए ?



अगर तान्या के साथ जो हुआ मेरे साथ होता तो क्या तू मेरा साथ देता?
कैसा बेकार का सवाल पूछ रही है।
क्यों? उसकी जगह मै हो सकती थी।


तू वैसी नहीं है।
मतलब? कैसी?
तू हमेशा से लड़कों की तरह बर्ताव करती है, लड़की तो तू है ही नहीं।
लड़कियों को कैसा बर्ताव करना चाहिए?


इसमें इतना हैरान होने की क्या ज़रुरत है ? कभी देखा है अपने आप को? जैसे तेरे बाल हैं, तू और लड़कियों की तरह नहीं हैं। और वैसे भी यहाँ की लड़कियाँ भी ..
तेरे लायक नहीं है? और मै कुछ भी नहीं? तुझे पता नहीं क्या हो गया है।
आगे और भी


आँठवा अंक
नोट : कॉमिक का विषय
छोटे बच्चों के लिए नहीं है
क्या मतलब था उसका?
"कैसे क्या करना होता है?"



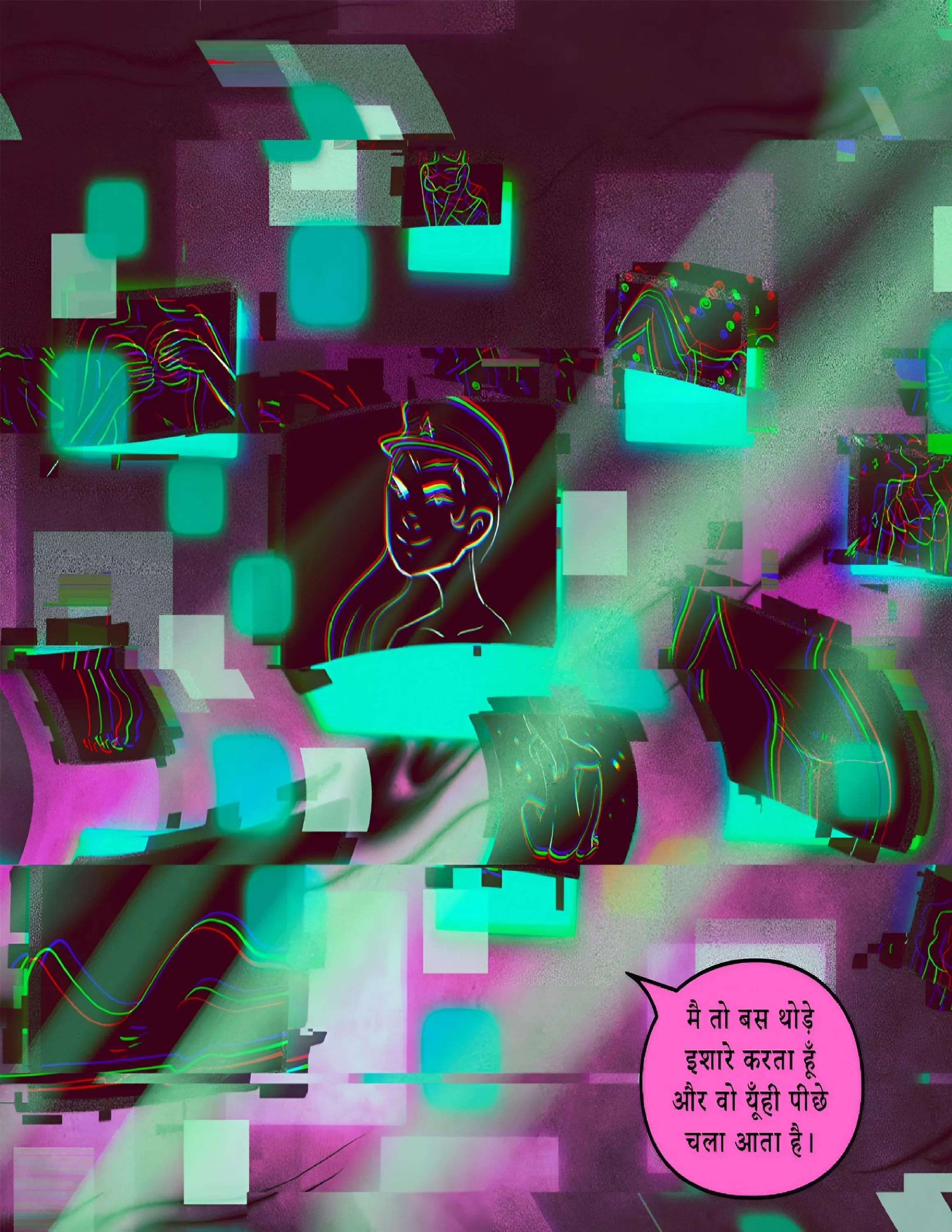

मै  ऐसा कुछ नहीं कर रहा हूँ। मुझे तो इन्होंने ही तो चुना है। इसमें मेरी क्या ग़लती है अगर वो अपना समय मेरे साथ बिताना चाहते हैं। आख़िर मुझसे तो उन्हें काफी कुछ सीखने को मिल रहा है। जहाँ तुम उन्हें अकेला महसूस कराते हो और कभी उनकी स्वाभाविक और प्राकृतिक इच्छाओं के  लिए शर्मिंदा करते हो।

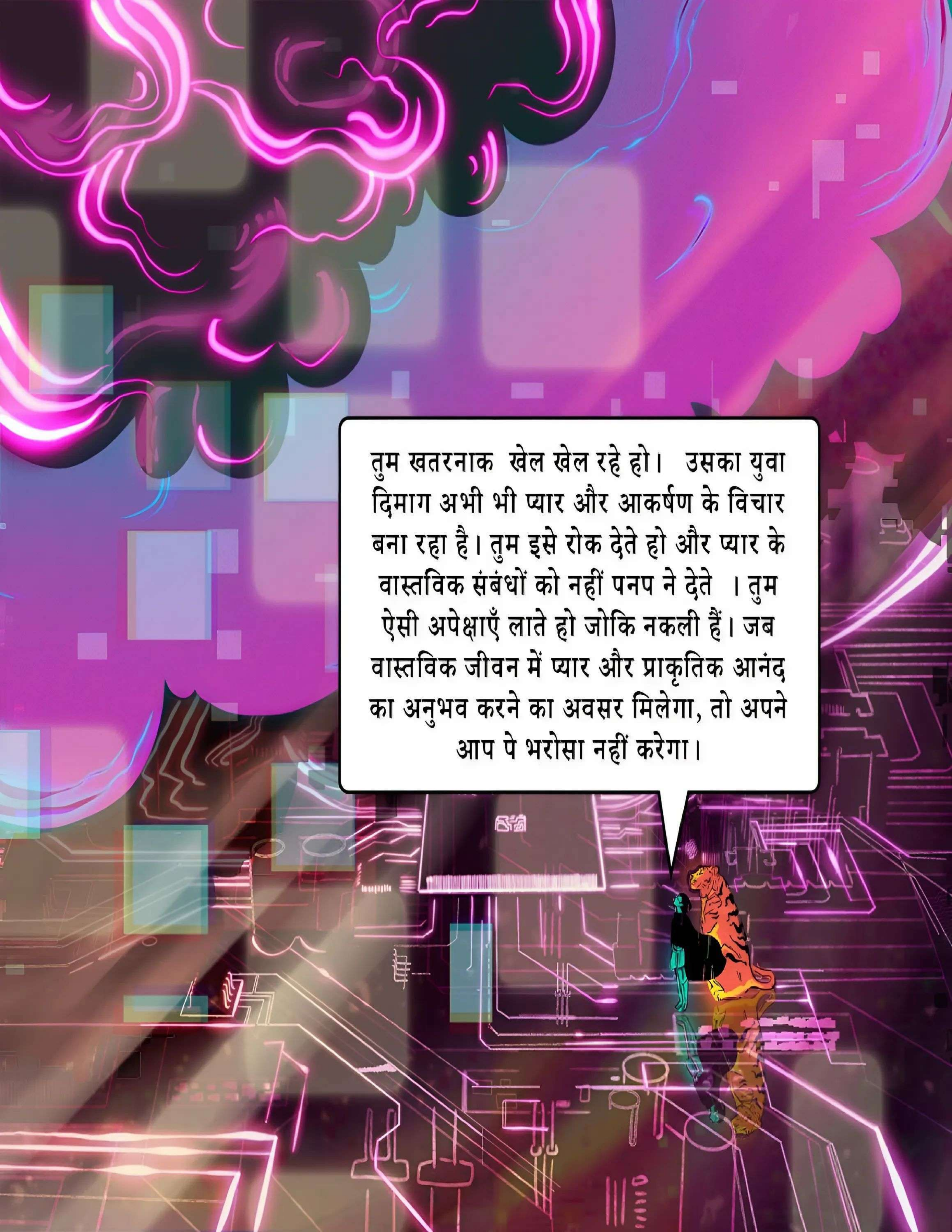




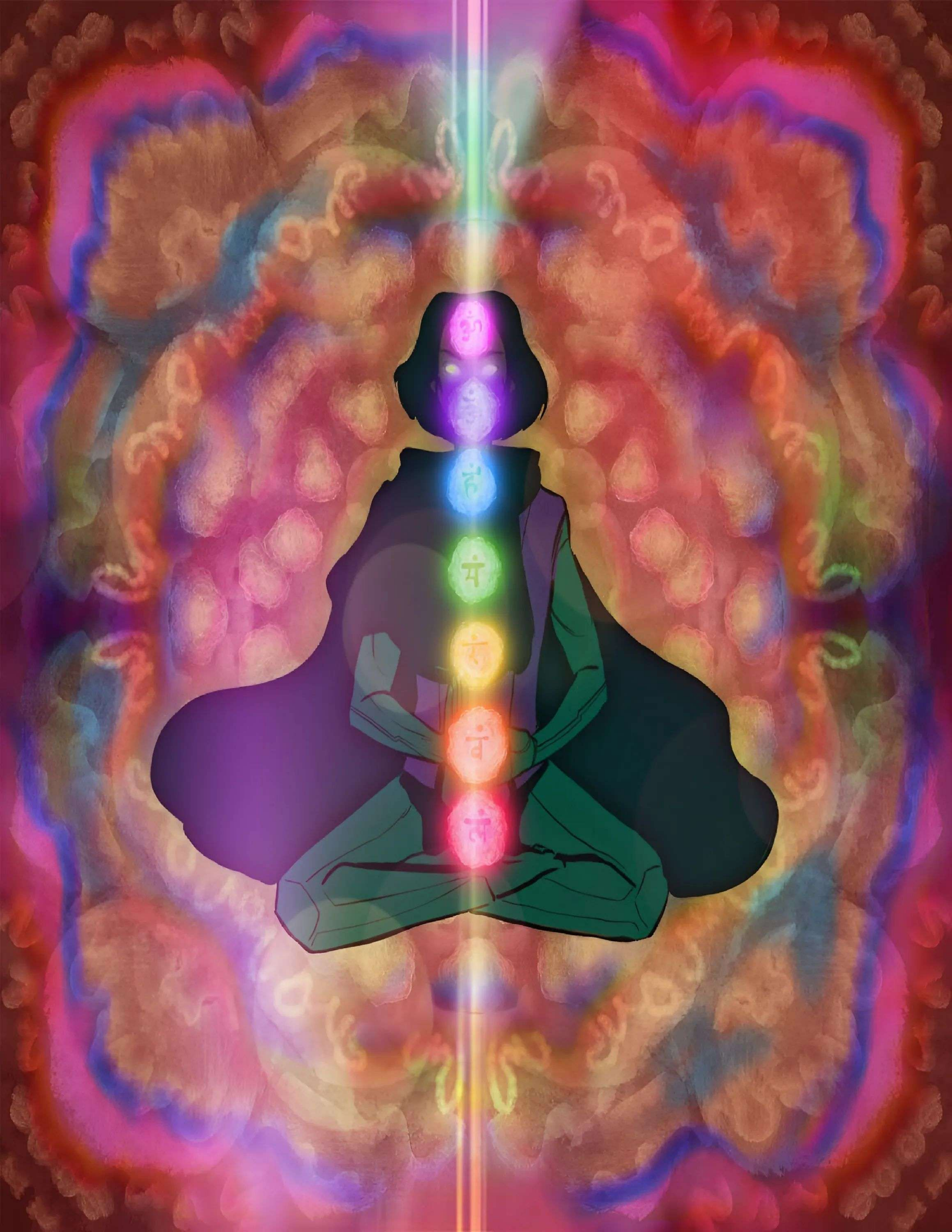

तुम उनके दिमाग पर कब्जा कर रहे हो।
आगे और भी

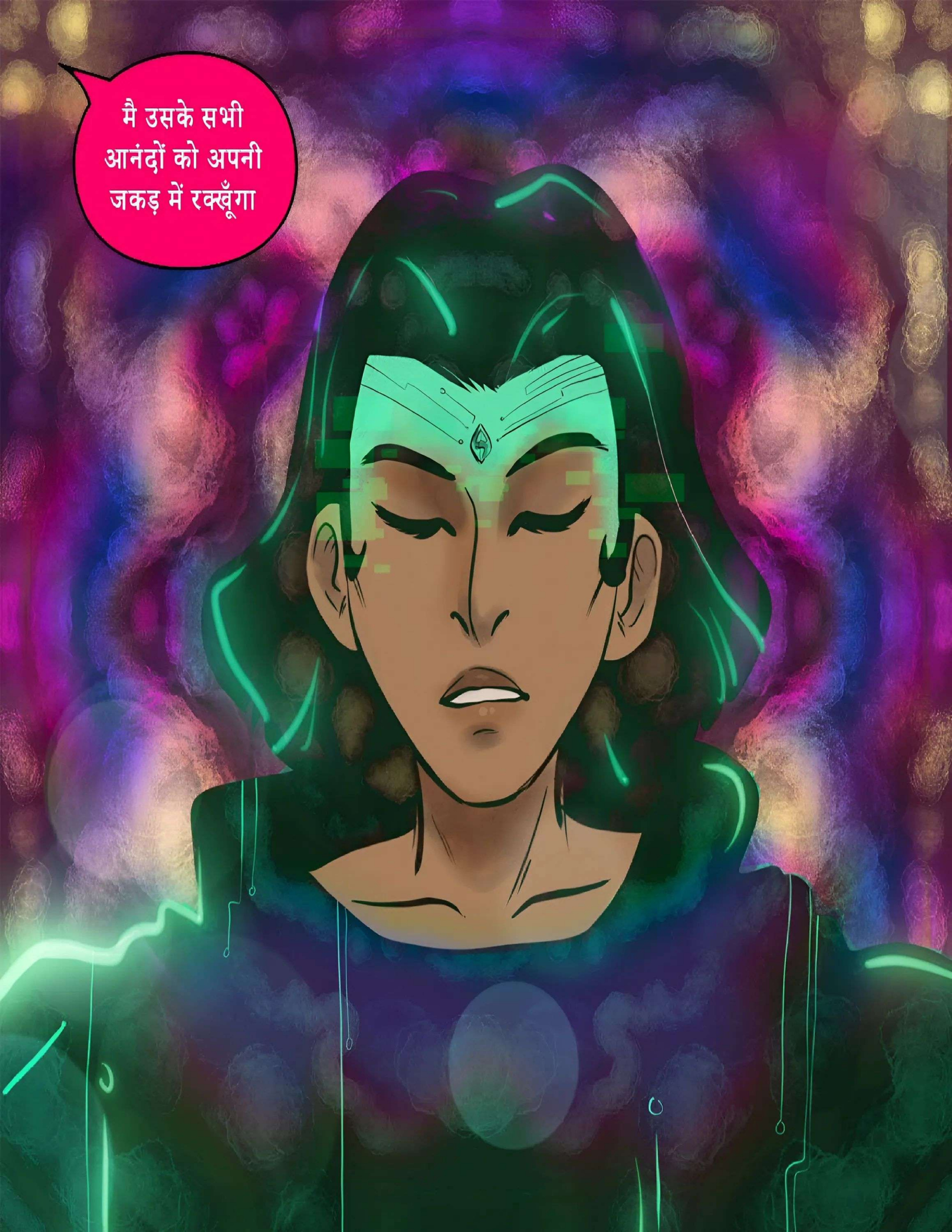

वो नहीं जानता
कि पॉर्न देखने से
उसकी भावनाए
बदल रही हैं।
नौवाँ अंक
नोट : कॉमिक का विषय
छोटे बच्चों के लिए नहीं है
https://ComicsJunction.Stck.Me

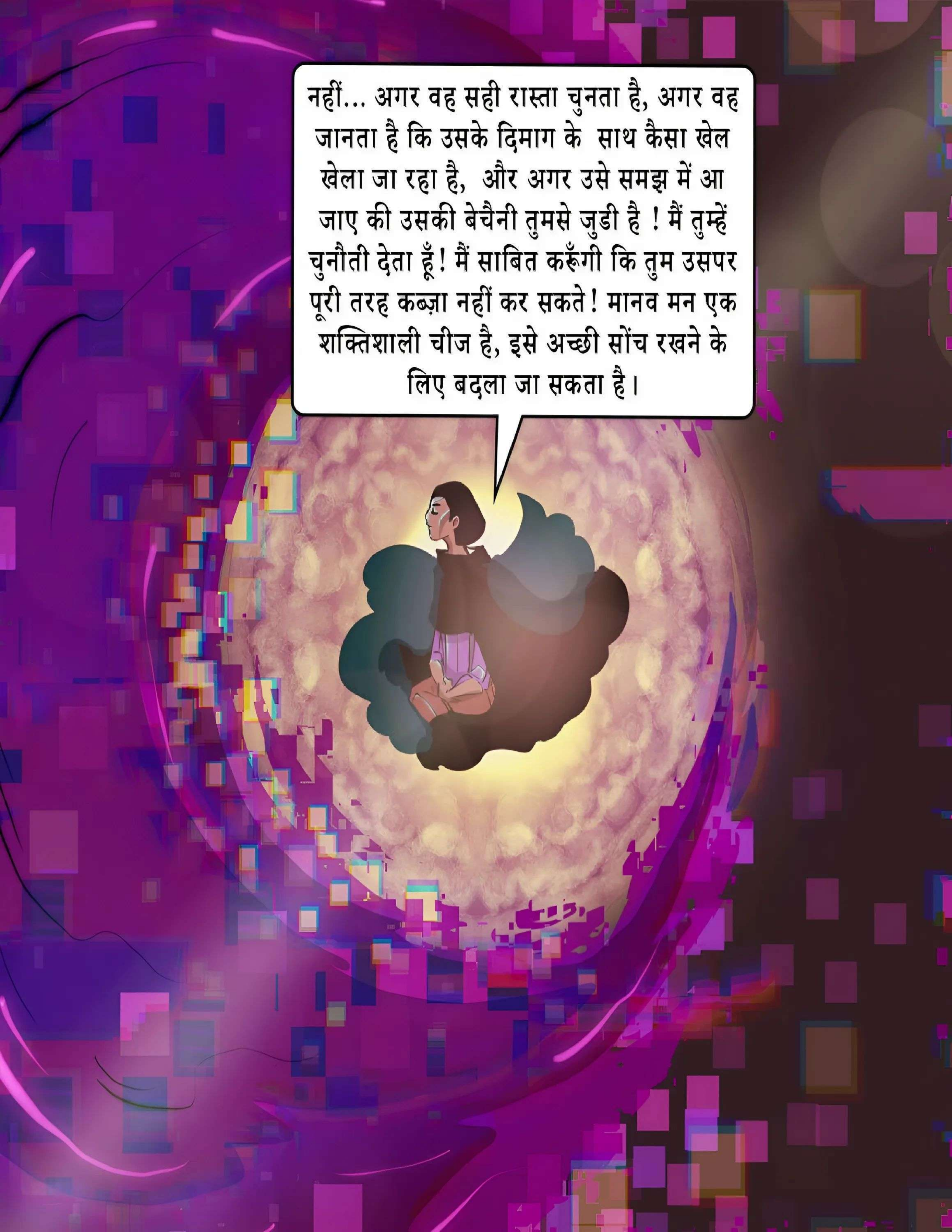

मै तो बस थोड़े इशारे करता हूँ और वो यूँही पीछे चला आता है।


तुम खतरनाक खेल खेल रहे हो। उसका युवा दिमाग अभी भी प्यार और आकर्षण के विचार बना रहा है। तुम इसे रोक देते हो और प्यार के वास्तविक संबंधों को नहीं पनप ने देते । तुम ऐसी अपेक्षाएँ लाते हो जोकि नकली हैं। जब वास्तविक जीवन में प्यार और प्राकृतिक आनंद का अनुभव करने का अवसर मिलेगा, तो अपने आप पे भरोसा नहीं करेगा।


प्रेम और आकर्षण की भावनाएं हमारे भीतर बैठी एक बड़ी शक्ति का स्रोत हैं। यह हमारी जीवन शक्ति है। लेकिन तुम ज़हर फैलाते हो। वो अपने ऊपर विश्वास करना नहीं सीख पाएगा।


हं
यं
रं
वं
लं


मै उसके सभी आनंदों को अपनी जकड़ में रक्खूँगा

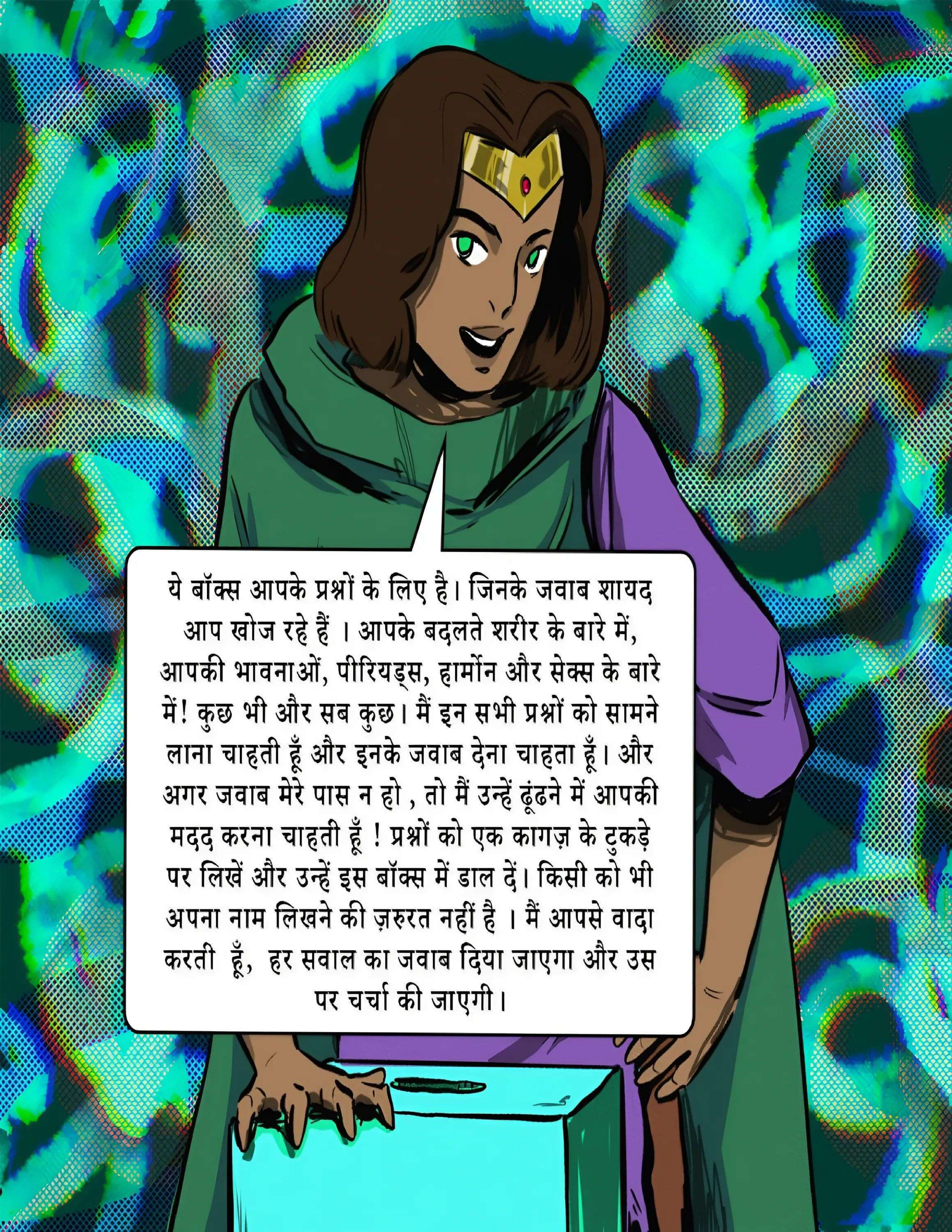

नहीं... अगर वह सही रास्ता चुनता है, अगर वह जानता है कि उसके दिमाग के साथ कैसा खेल खेला जा रहा है, और अगर उसे समझ में आ जाए की उसकी बेचैनी तुमसे जुडी है ! मैं तुम्हें चुनौती देता हूँ! मैं साबित करूँगी कि तुम उसपर पूरी तरह कब्ज़ा नहीं कर सकते! मानव मन एक शक्तिशाली चीज है, इसे अच्छी सोंच रखने के लिए बदला जा सकता है।



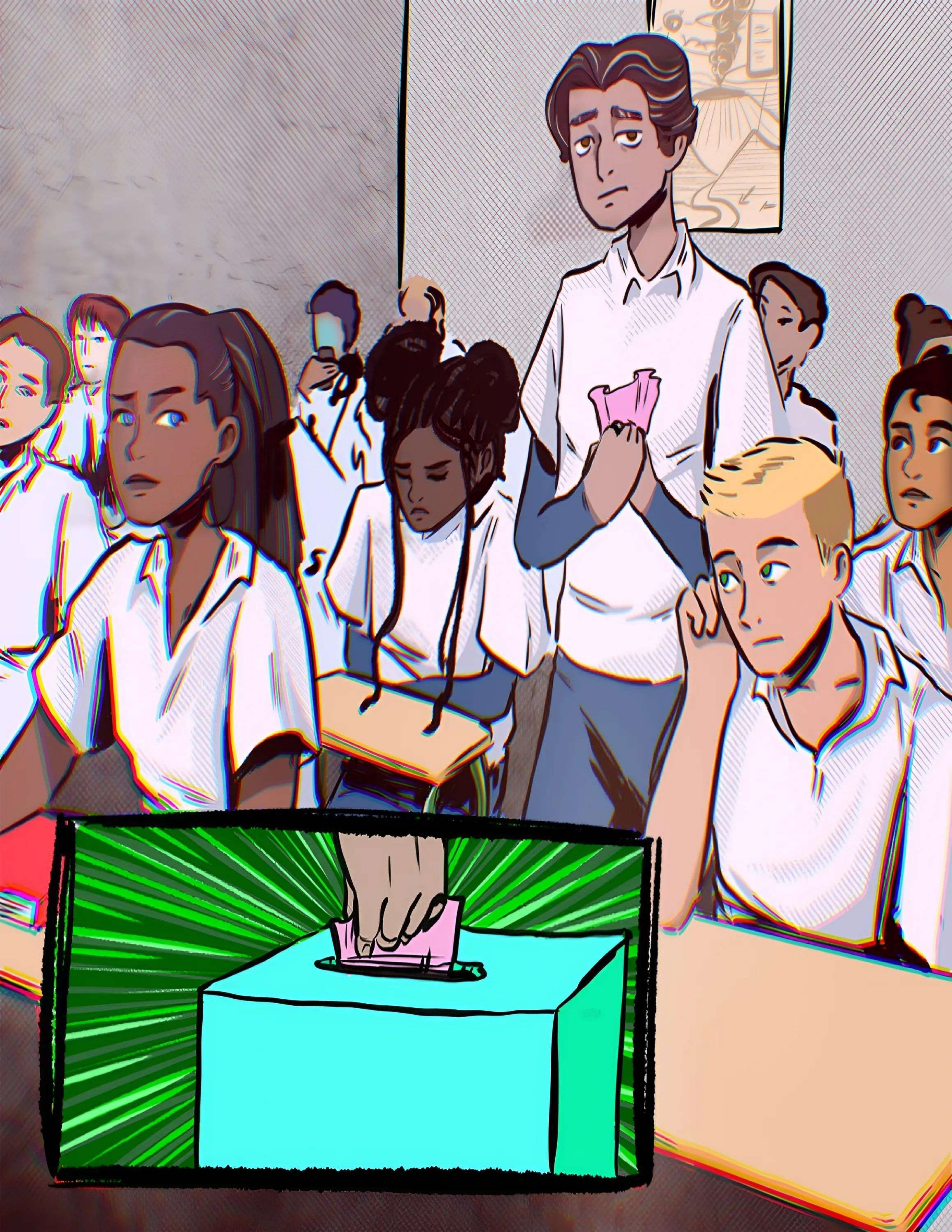

साहस यह हमारी दुनिया के लिए एक बड़ी चुनौती है। हमें कुछ अलग सा सोचने की ज़रुरत है।
SCHOOL
आगे और भी

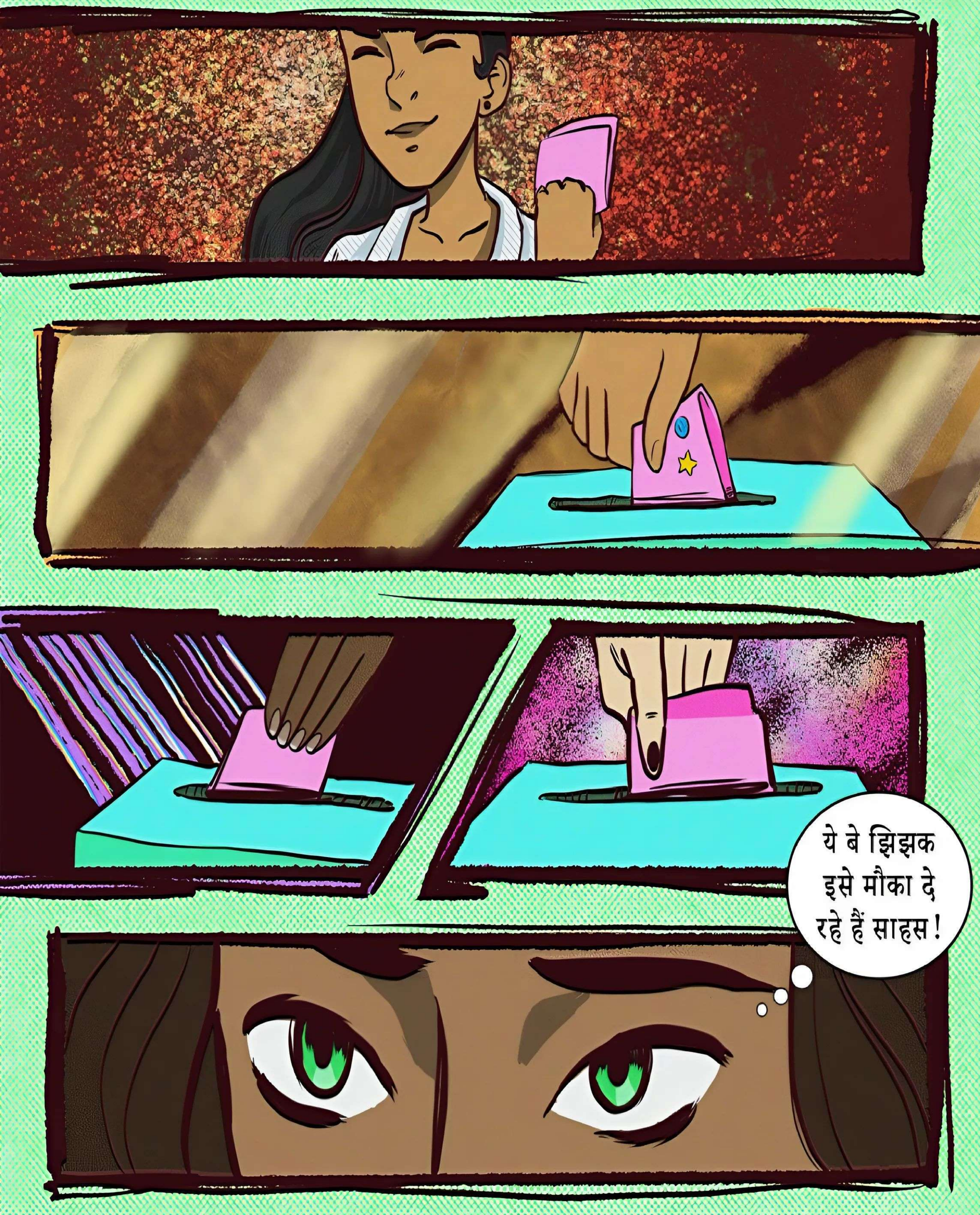

https://ComicsJunction.Stck.Me
नौवाँ अंक
नोट : कॉमिक का विषय
छोटे बच्चों के लिए नहीं है
कौन है ? क्या ?
नई टीचर ?

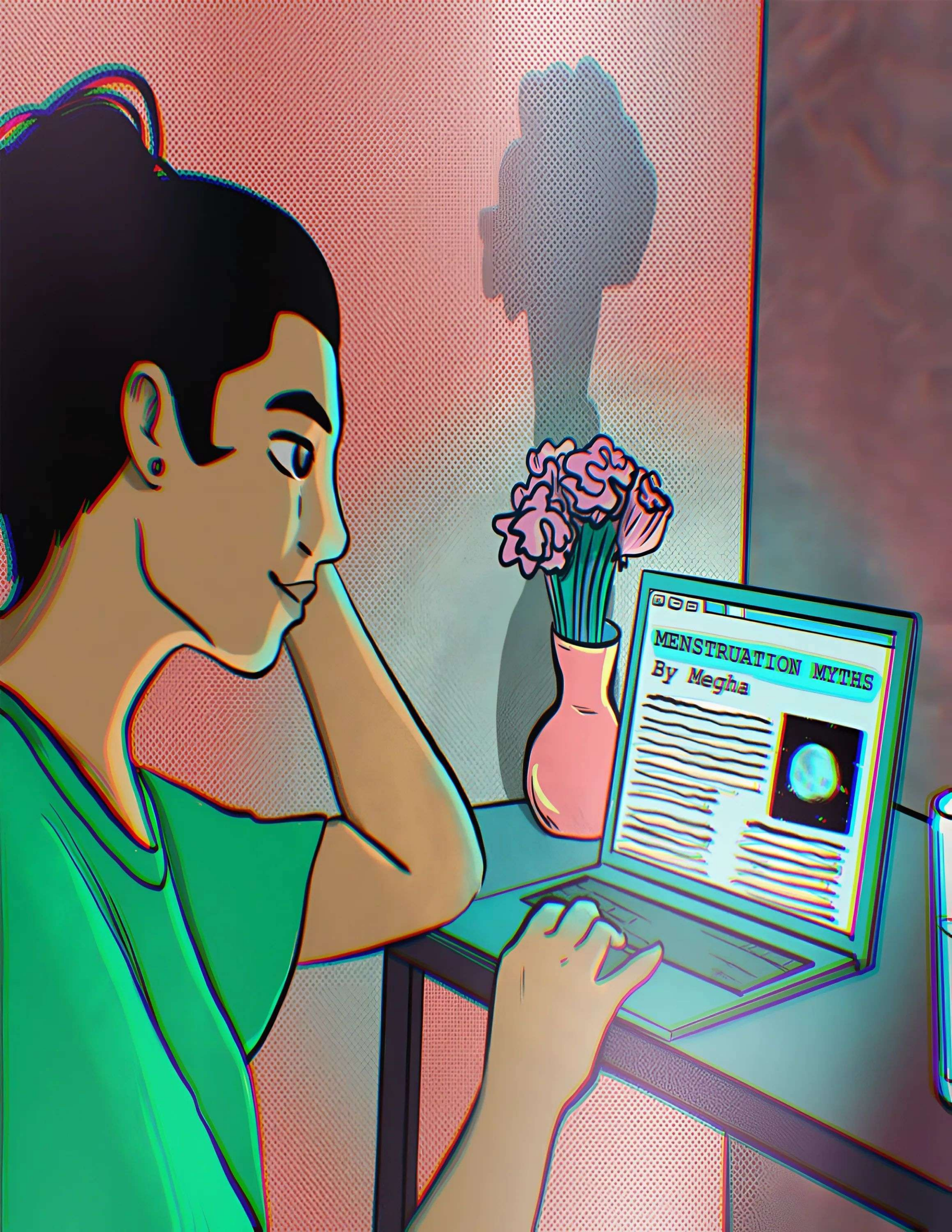

हैल्लो ! ये क्लास आपकी और क्लास्सेस से अलग होगी।


ये बॉक्स आपके प्रश्नों के लिए है। जिनके जवाब शायद आप खोज रहे हैं । आपके बदलते शरीर के बारे में, आपकी भावनाओं, पीरियड्स, हार्मोन और सेक्स के बारे में! कुछ भी और सब कुछ। मैं इन सभी प्रश्नों को सामने लाना चाहती हूँ और इनके जवाब देना चाहता हूँ। और अगर जवाब मेरे पास न हो , तो मैं उन्हें ढूंढने में आपकी मदद करना चाहती हूँ ! प्रश्नों को एक कागज़ के टुकड़े पर लिखें और उन्हें इस बॉक्स में डाल दें। किसी को भी अपना नाम लिखने की ज़रुरत नहीं है । मैं आपसे वादा करती हूँ, हर सवाल का जवाब दिया जाएगा और उस पर चर्चा की जाएगी।


हमारे पास इंटरनेट है। हमें उत्तर पाने के लिए इस सब की ज़रुरत नहीं है।
बिलकुल ! लेकिन जानकारी और अनुभव- या बातचीत में फ़र्क होता है । आपको इसे एक मौका देना चाहिए।




ये बे झिझक
इसे मौका दे
रहे हैं साहस!


MENSTRUATION MYTHS
By Megha


https://www.facebook.com/Comics.Junction.CFS
नहीं , वो अब भी हमारे समाज में मौजूद है । और हमारा काम तो अभी शुरू हुआ है साहस - युवाओं के मन की बातों को खुले दिल से सुनना, उनके सवालों का जवाब देना, उन्हें एक सुरक्षित स्थान देना ताकि वे जान सकें कि कैसे इन् महत्वपूर्ण भावनाओं को समझना है।
SCHOOL
क्या वो सच में गायब हो गया है?

# कहानी
# शुभ्रा प्रकाश

# कीर्ति
# मेलनकॉनी

# रंग क्रिया
# फाबियन लिओनार्दो

# हिंदी अनुवाद
# शुभ्रा प्रकाश

सह-निर्माण

एजेंट्स ऑफ़ इश्क़

फ़ंडासिओन नतालिया पोंस दे लियोन, और मुएस्ट्रा डॉक्यूमेंटल इंटरनैशनल दे बोगोटा। कॉमिक बुक का निर्माण कमार्गो फॉउन्डेशन, कैस्सिस फ्राँस में जेरोम फॉउन्डेशन द्वारा दिए गए ग्रांट से हुआ है।

Agents of Ishq

MIDBO | Muestra Internacional Documental de Bogotá

Fundación Natalia Ponce de León